सोशल मीडिया से जुड़ें
Parivehan_Vishesh

Title Code : DELHIN28985.
DCP Licensing Number :
F.2 (P-2) Press/2023

www.parivahanvishesh.com

परिवहन विशेष

देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र

वर्ष 01, अंक 188, नई दिल्ली | बुधवार, 20 सितम्बर 2023, मूल्य ₹ 5, पेज 8

आज का सुविचार

कभी भी अपने अतीत से शर्मिंदा न हों क्योंकि आज आप जो कुछ भी हो, वो आपका हिस्सा है।

11 साल में पहली बार बंद रहेगा यमुना एक्सप्रेस-वे
तीन दिन आगरा से नोएडा तक वाहनों की आवाजाही पर रोक

संजय बाटला, सम्पादक

22 से 24 सितंबर तक आयोजित मोटोजीपी भारत रेस को ध्यान में रखते हुए यमुना एक्सप्रेस वे को निर्धारित समय के लिए बंद किया जाएगा। इस दौरान इस मार्ग से यातायात बंद रहेगा। 23 व 24 सितंबर को आगरा से नोएडा आने के लिए लोगों को वैकल्पिक मार्ग इस्तेमाल करना होगा। मथुरा व अलीगढ़ से नोएडा की तरफ आने वाले वाहन भी यमुना एक्सप्रेस-वे का प्रयोग नहीं कर सकेंगे।

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा के बुद्ध इंटरनेशनल सर्किट में 22 से 24 सितंबर तक आयोजित मोटोजीपी भारत रेस को ध्यान में रखते हुए यमुना एक्सप्रेस वे को निर्धारित समय के लिए बंद किया जाएगा। इस दौरान इस मार्ग से यातायात बंद रहेगा।

निर्धारित समय के लिए बंद रहेगा एक्सप्रेस-वे

11 वर्षों में यह पहला मौका है, जब किसी कारण एक्सप्रेस-वे बंद किया गया है। 23 व 24 सितंबर को आगरा से नोएडा आने के लिए लोगों को वैकल्पिक मार्ग राष्ट्रीय राजमार्ग का इस्तेमाल करना होगा। मथुरा व अलीगढ़ से नोएडा की तरफ आने वाले वाहन भी यमुना एक्सप्रेस-वे का प्रयोग नहीं कर सकेंगे।

एक्सप्रेस-वे पर वाहनों के दबाव कम करने की कोशिश

आगरा से नोएडा के लिए 12 से सात बजे तक एक्सप्रेस-वे बंद रहेगा, जबकि मथुरा में दो बजे के बाद वाहन एक्सप्रेस वे पर नहीं चढ़ने दिए जाएंगे। रेस के दौरान एक्सप्रेस-वे पर वाहनों का दबाव कम हो, इसके लिए शहर के अंदर के रास्तों का भी प्रयोग वाहन चालक कर सकेंगे।

भारी वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित

इसके लिए यातायात पुलिस की तरफ से हर एक घंटे में डायवर्जन किया जाएगा। यमुना एक्सप्रेस वे पर भारी वाहनों का प्रवेश रेस के दौरान प्रतिबंधित रहेगा। इसके अलावा आयोजन के दौरान भारी वाहनों का प्रवेश वर्जित रहेगा।

दिल्ली बॉर्डर से जिले में भारी व मध्यम वाहन का प्रवेश 21 सितंबर को सुबह छह बजे से 25 सितंबर की रात 12 बजे तक प्रतिबंधित रहेगा। गौतमबुद्धनगर में चिल्ला, डीएनडी, कालिंदी कुंज, न्यू अशोक नगर, कोंडली, झुण्डपुरा बॉर्डर, परीचौक, नालेज पार्क, नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेस-वे एवं यमुना एक्सप्रेस-वे पर आवागन पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा।

टैंपल'स ऑफ लिबरलाइजेशन एंड वेलफेयर एलाइड ट्रस्ट

रजिस्टर्ड अंडर सैक्शन 60 विद रजिस्ट्रेशन नंबर (152/02-03-2020), एमएसएमई रजिस्ट्रेशन नंबर उद्यम -डीएल -0026470, नीति आयोग रजिस्ट्रेशन नंबर वीओ/ एनजीओ/0303274/25-01-2022 दर्पण रजिस्टर्ड

कार्यालय :- 3, प्रियदर्शिनी अपार्टमेंट, ए -4 पश्चिम विहार, न्यू दिल्ली 110063, कॉरपोरेट

कार्यालय :- 529, समयपुर, मेंन बवाना रोड, नियर बैंक ऑफ़ बड़ौदा दिल्ली 110042

पांच दिनों तक गौतमबुद्धनगर में भारी वाहनों के एंट्री पर बैन
ट्रेड शो व मोटो जीपी के चलते ट्रैफिक रूट में बदलाव

यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो 2023 व बुद्ध इंटरनेशनल सर्किट में मोटो जीपी के आयोजन के चलते गौतमबुद्ध नगर में बृहस्पतिवार को सुबह छह बजे से 25 सितंबर की रात 12 बजे तक भारी वाहनों का प्रवेश वर्जित रहेगा। आकस्मिक स्थिति में चिकित्सीय वाहनों को नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेस-वे यमुना एक्सप्रेस-वे पर मार्शल मोटर साइकिल की सहायता से सुलभ यातायात लेन प्रदान की जाएगी।

नोएडा। ग्रेटर नोएडा स्थित एक्सपो मार्ट में यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो 2023 व बुद्ध इंटरनेशनल सर्किट में मोटो जीपी के आयोजन के चलते जिले में बृहस्पतिवार को सुबह छह बजे से 25 सितंबर की रात 12 बजे तक भारी वाहनों का प्रवेश वर्जित रहेगा। दिल्ली बार्डर से गौतमबुद्धनगर में चिल्ला, डीएनडी, कालिंदी कुंज, न्यू अशोक नगर, कोंडली, झुण्डपुरा बार्डर, परीचौक, नालेज पार्क, नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेस-वे एवं यमुना एक्सप्रेस-वे पर आवागमन पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा।

आवश्यक सेवाओं से जुड़े वाहनों पर प्रतिबंध नहीं

आकस्मिक स्थिति में आपातकालीन वाहन नोएडा ट्रैफिक पुलिस के हेल्पलाइन नंबर-9355057380 पर सहायता ले सकेंगे। आवश्यक सेवाओं से जुड़े दूध, फल, सब्जी, एबुलेंस, चिकित्सा सेवा आदि वाहनों को प्रतिबंधित नहीं किया गया है।

आकस्मिक स्थिति में चिकित्सीय वाहनों को नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेस-वे, यमुना एक्सप्रेस-वे पर मार्शल मोटर साइकिल की सहायता से सुलभ यातायात लेन प्रदान की जाएगी। ऑटो-ई-रिक्शा किसी भी सार्वजनिक मार्ग पर नहीं खड़े होंगे। नियम का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

नोएडा-ग्रेनो एक्सप्रेस-वे से अलीगढ़ की ओर जाने पर ऐसा रहेगा यातायात

दिल्ली से नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेस-वे का प्रयोग कर ग्रेटर नोएडा, मथुरा, आगरा, लखनऊ की ओर जाने वाले गैर व्यावसायिक वाहन दिल्ली क्षेत्र के आंतरिक मार्गों का प्रयोग कर एनएच-9, 24, 91 से जा सकेंगे।

नोएडा क्षेत्र से दिल्ली, गाजियाबाद की ओर जाने वाले नान कामर्शियल वाहन एमपी-1, एमपी-2, एमपी-3 व डीएससी मार्ग से न्यू अशोक नगर, झुंडपुरा, एनआइबी, माडल टाउन, छिजारसी से गंतव्य को जा सकेंगे।

दिल्ली, गाजियाबाद, मेरठ, हापुड़ से मथुरा, आगरा, लखनऊ की ओर जाने वाले गैर व्यावसायिक वाहन कामर्शियल वाहन एनएच0-9, एनएच-24, एनएच-91 से जा सकेंगे।

आगरा, मथुरा, लखनऊ से नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेस-वे होकर जाने वाले गैर व्यावसायिक वाहन अलीगढ़ टप्पल से बुलंदशहर व मथुरा से दिल्ली होकर जा सकेंगे।

ग्रेटर नोएडा वेस्ट क्षेत्र से दिल्ली, गाजियाबाद, मेरठ, हापुड़ जाने वाले गैर व्यावसायिक वाहन किसान चौक से तिगरी, पर्थला से छिजारसी होकर एनएच-24 से गंतव्य को जा सकेंगे।

ग्रेटर नोएडा से नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेस-वे होकर दिल्ली, गाजियाबाद जाने वाले गैर व्यावसायिक वाहन ग्रेटर नोएडा वेस्ट मार्गों का प्रयोग कर किसान चौक, तिगरी, साहबेरी, पर्थला, छिजारसी होकर गंतव्य को जा सकेंगे।

फेज-2 क्षेत्र से दिल्ली जाने वाले गैर व्यावसायिक वाहन डीएससी रोड होकर न्यू अशोक नगर, झुंडपुरा, सोरखा, पर्थला, छिजारसी, माडल टाउन होकर गंतव्य को जा सकेंगे।

दिल्ली आश्रम की ओर से डीएनडी, चिल्ला होकर सेक्टर-16, 37 जाने वाली डीटीसी बसें मयूर विहार से कोंडली, झुंडपुरा होकर स्टेडियम चौक से रजनीगंधा होकर डिपो सेक्टर-16 नोएडा जा सकेगी।

सिटी सेंटर, सेक्टर-37, बोटनिकल गार्डन से परीचौक जाने वाली यात्री बसें सेक्टर-44 गोलचक्कर से एल्डिको चौक सेक्टर-93, एनएसईजेड, सूरजपुर, अल्फा कामर्शियल गोलचक्कर से डिपो गोलचक्कर के पास रामलीला पार्क में जा सकेगी।

आगरा की ओर से आने वाली बसे यमुना एक्सप्रेस-वे से जेवर कस्बा की ओर उतरकर सबौता अंडरपास से खुर्जा बाईपास से जहांगीरपुर, खुर्जा होकर गंतव्य को जा सकेगी।

परीचौक से यमुना एक्सप्रेस-वे होकर मथुरा, आगरा, लखनऊ आदि स्थानों पर जाने वाली यात्री बसें डिपो गोलचक्कर के पास रामलीला पार्क से सिरसा गोलचक्कर होकर सैमवाक कंपनी के सामने से घंघौला चौक, खेरली नहर, बिलासपुर होकर दनकौर बाईपास से रबूपुरा से सर्विस रोड होकर आगरा की ओर चढ़ने वाले लूप से यमुना एक्सप्रेस-वे होकर गंतव्य को जा सकेगी।

यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो में आने वालों के लिए ऐसा रहेगा यातायात

दिल्ली, हरियाणा, गाजियाबाद से नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेस-वे होकर एक्सपोमार्ट, गाजियाबाद, मेरठ, हापुड़ से चलकर यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो में किसान चौक होकर सूरजपुर से एक्सपो मार्ट तक आ सकेंगे।

बुलंदशहर से ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेस-वे होकर व आगरा से यमुना एक्सप्रेस-वे होकर एक्सपो मार्ट जा सकेंगे।

एक्सपो मार्ट के पास नासा गोलचक्कर के अन्दर बनी पार्किंग बनाई गई है। जहां जीएल बजाज कालेज परिसर को वैकल्पिक पार्किंग के रूप में प्रयोग किया जाएगा।

विशेष परिस्थितियों में जब यातायात का दबाव नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेस-वे और यमुना एक्सप्रेस-वे पर होगा उस स्थिति में एक्सपो मार्ट में ट्रेड शो कार्यक्रम समाप्ति के उपरांत कोई भी वाहन नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेस-वे होकर गंतव्य को नहीं जाएगा। बल्कि सभी वाहन पार्किंग से निकलकर उपरोक्त मार्गों एवं एलजी गोलचक्कर, सूरजपुर, परी चौक मार्ग से दिल्ली, गाजियाबाद, हरियाणा, अलीगढ़ आदि सुझाए गए निर्धारित मार्ग से ही गंतव्य को जाएगे।

मोटो जीपी में आने वालों के लिए ऐसा रहेगा यातायात

दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद, हापुड, मेरठ, बुलंदशहर की ओर से आने वाले दर्शक एग्जिट-2ए, 2सी से उतरकर बुद्ध इंटरनेशनल सर्किट के नार्थ, वेस्ट, साउथ, ईस्ट जोन गेट के प्रवेश कर निर्धारित पार्किंग स्थल पर वाहन पार्क कर टिकट में अंकित स्टैंड में जा सकेंगे।

आगरा, मथुरा, अलीगढ़ की ओर से आने वाले दर्शक चपरगढ कट से उतरकर बुद्ध इंटरनेशनल सर्किट के साउथ, ईस्ट जोन गेट से प्रवेश कर निर्धारित पार्किंग स्थल पर वाहन पार्क कर टिकट में अंकित स्टैंड में जा सकेंगे।

आयोजन के दौरान बुद्ध इंटरनेशनल सर्किट में मेट्रो स्टेशन से शटल बस सेवा की व्यवस्था की गई है। मेट्रो स्टेशन बोटेनिकल गार्डन, सेक्टर-148, डेल्टा-1 एवं डिपो ग्रेटर नोएडा से दर्शकों को शटल बस सेवा के द्वारा नार्थ, वेस्ट और साउथ, ईस्ट जोन गेट से प्रवेश कर स्टैंड तक पहुंचाया जाएगा।

एसएमईवी ने गडकरी को लिखा पत्र, ईवी के लिए रोड टैक्स छूट की एकीकृत नीति बनाने की अपील

सोसाइटी ऑफ मैन्युफैक्चरर्स ऑफ इलेक्ट्रिक व्हीकल्स (एसएमईवी) ने मंगलवार को सरकार से देश भर में इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) के लिए रोड टैक्स छूट की एक एकीकृत नीति बनाने की अपील की। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी को लिखे पत्र में एसएमईवी ने कहा कि भारत में इलेक्ट्रिक मोबिलिटी की ओर बदलाव में तेजी लाने के लिए एक सतत और अनुकूल नीतिगत माहौल जरूरी है।

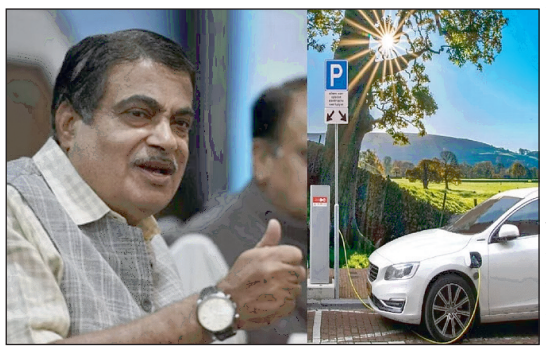

नईदिल्ली। एसएमईवी के मुख्य प्रचारक संजय कौल ने लिखा, "मैं आपके सम्मानित कार्यालय से ईवी के लिए रोड टैक्स छूट की एक एकीकृत नीति पर विचार करने का अनुरोध करने के लिए लिख रहा हूं जो स्वच्छ और टिकाऊ परिवहन विकल्पों को अपनाने को प्रोत्साहित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी, जो हमारे देश के पर्यावरण और आर्थिक भविष्य के लिए महत्वपूर्ण है।"

एसएमईवी ने एसोसिएशन के एजेंडे को संशोधित करने में मदद करने के लिए जुलाई में कौल को अपना मुख्य प्रचारक नामित किया था। उन्होंने कहा कि भारी उद्योग मंत्रालय द्वारा FAME II योजना के जरिए बीच में ही सब्सिडी कंपोनेंट्स को कम करने के फैसले के मद्देनजर, सरकार का यह इनपुट (ईवी के लिए रोड टैक्स छूट की एकीकृत नीति) और भी ज्यादा प्रासंगिक और महत्वपूर्ण हो जाएगा।

कौल ने कहा, सड़क टैक्स और पंजीकरण शुल्क सिर्फ नौकरशाही औपचारिकताएं नहीं हैं, बल्कि ये ईवी के उत्थान या पतन को प्रभावित करने वाले निर्णायक कारक हैं।

कौल ने कहा, "ये शुल्क उपभोक्ताओं को हरियाली विकल्पों की ओर प्रेरित कर सकते हैं या उन्हें पारंपरिक गैस-उगलने वाले वाहनों की ओर वापस धकेल सकते हैं। ईवी अक्सर अपने उन्नत बैटरी सिस्टम के कारण भारी कीमत के साथ आते हैं, इसलिए ये अतिरिक्त अग्रिम लागत संभावित खरीदारों को रोकने वाला निर्णायक बिंदु हो सकती है।" उन्होंने कहा, राज्यों में सड़क कर नीतियों का पेचवर्क ईवी क्रांति के लिए एक बाधा है। उन्होंने लिखा, जबकि उत्तर प्रदेश और पंजाब जैसे कुछ राज्यों ने पहले ही रोड टैक्स और पंजीकरण शुल्क माफ कर दिया है, अन्य राज्य बुरी तरह पीछे हैं।

उन्होंने कहा, "यह असमान खेल का मैदान सिर्फ भ्रम पैदा नहीं करता है; यह सक्रिय रूप से उत्सुक ईवी अपनाने वालों को हतोत्साहित करता है, और हाई गियर में शिफ्ट होने के लिए तैयार बाजार की रफ्तार को रोकता है।

उन्होंने कहा, ₹इससे भी ज्यादा निराशाजनक आंध्र प्रदेश और तेलंगाना जैसे राज्य हैं, जिन्होंने एक बार खरीददारों को कर में छूट देकर प्रलोभन दिया, और फिर पलट गए और टैक्स लगा दिया, जिससे स्थायी भविष्य की दौड़ में एक और बाधा आ गई।" कौल ने कहा, राज्यों में असंगत टैक्स नीतियां न सिर्फ भ्रमित करने वाली हैं, बल्कि वे ईवी आंदोलन को उसके ट्रैक में पंगु बना रहे हैं। उन्होंने कहा, "भारत को अब एक एकीकृत, अनुकूल ढांचे की जरूरत है जो इलेक्ट्रिक गतिशीलता में हमारे परिवर्तन को सुपरचार्ज कर दे। आपके सम्मानित कार्यालय से एक केंद्रीकृत सलाह शोर को कम कर सकती है और इस अभूतपूर्व तकनीक को व्यापक रूप से अपनाने के लिए मंच तैयार कर सकती है।" उन्होंने कहा कि एक राष्ट्रव्यापी सलाह जारी करके, जो ईवी के लिए रोड टैक्स छूट पर एक समान नीति की वकालत करती है, सरकार के पास भारत को स्वच्छ, हरित भविष्य की ओर ले जाने का एक अनूठा मौका है। कौल को ईवी सेक्टर को पिछले साल से आए संकट से निपटने में मदद करने का काम सौंपा गया है, क्योंकि सेक्टर के लगभग सभी ओईएम FAME II योजना के नीति विवरण के गैर-अनुपालन के मुद्दों से निपट रहे हैं।

6500 गाड़ियों के लिए तीन पार्किंग तैयार
मोटो जीपी के दौरान वाहनों कों खड़ा करने में नहीं होगी दिक्कत

परिवहन विशेष न्यूज

मोटो जीपी में आने वाले हजारों वाहनों के लिए पार्किंग की समस्या से नहीं जूझना होगा। यमुना प्राधिकरण ने वाहनों के लिए तीन अस्थाई पार्किंग तैयार कराई हैं। गलगोटिया विश्वविद्यालय के नजदीक सी 1 सी 2 व चपरगढ़ कट के नजदीक सी 3 पार्किंग होगी। सी 1 की क्षमता 3000 वाहनों की है। सी 2 की क्षमता 2000 व सी 3 की क्षमता 1500 वाहनों की है।

ग्रेटर नोएडा। मोटो जीपी में आने वाले हजारों वाहनों के लिए पार्किंग की समस्या से नहीं जूझना होगा। वाहन चालक बुद्ध इंटरनेशनल सर्किट के बाहर बनी स्थाई पार्किंग में गाड़ी पार्क कर सकेंगे। यमुना प्राधिकरण ने वाहनों के लिए तीन अस्थाई पार्किंग तैयार कराई हैं।

बुद्ध इंटरनेशनल सर्किट के नजदीक हैं तीनों पार्किंग

इनमें साढ़े छह हजार वाहनों को पार्किंग स्थल पर खड़ा करने की क्षमता है। तीनों पार्किंग बुद्ध इंटरनेशनल सर्किट के नजदीक हैं। तीनों पार्किंग निःशुल्क होंगी। प्राधिकरण ने आयोजन स्थल तक जाने वाली सड़कों की मरम्मत, रीसर्फेसिंग, सुंदरीकरण का काम अस्सी प्रतिशत पूरा कर लिया है।

22 से 24 सितंबर तक मोटी जीपी का होगा आयोजन

बुद्ध इंटरनेशनल सर्किट पर 22 से 24 सितंबर तक मोटो जीपी का आयोजन होना है। इसमें शामिल होने वाली टीम व बाइक राइडर्स बुद्ध इंटरनेशनल सर्किट पर पहुंच चुके हैं। मोटो जीपी देखने के लिए एक लाख से अधिक दर्शकों पहुंचेंगे। इन दर्शकों के वाहन की पार्किंग बड़ी चुनौती है। सर्किट में वाहनों के खड़ा करने के लिए सीमित क्षमता है।

इसलिए यमुना प्राधिकरण ने तीन अस्थाई पार्किंग बनाई हैं। दो पार्किंग गलगोटिया विश्वविद्यालय के नजदीक व एक यमुना एक्सप्रेस वे के चरपगढ़ कट के नजदीक बनाई गई है। गलगोटिया विश्वविद्यालय के नजदीक सी 1, सी 2 व चपरगढ़ कट के नजदीक सी 3 पार्किंग होगी। सी 1 की क्षमता 3000 वाहनों की है। सी 2 की क्षमता 2000 व सी 3 की क्षमता 1500 वाहनों की है। तीनों वाहनों में पार्किंग निश्शुल्क होगी।

यमुना एक्सप्रेस वे पर आगरा की ओर से बुद्ध इंटरनेशनल सर्किट आने वाले वाहन सी 3 पार्किंग में वाहन खड़ा कर सकेंगे। वहीं दिल्ली, गाजियाबाद, नोएडा, ग्रेटर नोएडा की ओर से आने वाले वाहन सी 1 व सी 2 में वाहन खड़ा कर सकेंगे।

सुंदरीकरण का अस्सी प्रतिशत काम पूरा

मोटो जीपी देखने के लिए आने वाले दर्शक अपने साथ यमुना प्राधिकरण क्षेत्र की अच्छी छवि लेकर जाएं, इसके लिए प्राधिकरण ने भी अपनी ताकत झौंक दी है। सड़कों से लेकर हरित क्षेत्र में युद्ध स्तर पर कार्य कराया जा रहा है। सड़कों के गड्ढों की मरम्मत के अलावा जगह-जगह रिसर्फेसिंग की गई है। सड़कों के किनारे उगी झाड़ियां की कटाई के अलावा सड़क किनारे जगह-जगह घास लगाई गई है।

बुद्ध इंटरनेशनल सर्किट को जोड़ने वाले अंडरपास की पेंटिंग कराई गई है। गलगोटिया अंडरपास, वीआइपी गेट, मुख्य प्रवेश द्वार सालारपुर अंडर पास पर सुंदरीकरण के लिए अस्थाई गेट बनाए गए हैं। प्राधिकरण ने इस पर करीब 4.15 करोड़ रुपये खर्च किए हैं।

मोटो जीपी के लिए बुद्ध इंटरनेशनल सर्किट के नजदीक तीन अस्थाई पार्किंग बनाई गई हैं। यह पार्किंग पूरी तरह से निश्शुल्क रहेंगी। बुद्ध इंटरनेशनल सर्किट आने वाले दर्शक पार्किंग में वाहन खड़ा कर आयोजन स्थल में जा सकेंगे।

-डा. अरुणवीर सिंह, सीईओ यमुना

पुरुषों से ज्यादा वोटिंग में भागीदारी, 2024 में पीएम मोदी की हैट्रिक महिला मतदाताओं पर निर्भर है?

अभिनय आकाश

महिला केंद्रित योजनाओं पर सरकार का फोकस पीएम मोदी और बीजेपी के लिए काम आया। इंडिया टुडे-एक्सिस माई इंडिया पोस्ट-पोल अध्ययन के अनुसार, 2019 के आम चुनाव में महिलाओं ने पीएम नरेंद्र मोदी का भारी समर्थन किया।

आपकी वजह से हम लोगों का घर बन गया? दिसंबर 2021 की वो तारीख जब महिला ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त करते हुए हाथ जोड़ते हुए पीएम आवास योजना के घर के लिए पीएम मोदी को धन्यवाद दिया। पीएम मोदी लोकसभा क्षेत्र वाराणसी की यात्रा का दौरा कर रहे थे। मोदी सरकार के नेतृत्व में केंद्र की तरफ से महिला केंद्रित कई योजनाएं लाई गईं और उनके कार्यान्वयन में भी तेजी लाई गई है। बीजेपी का इस बात पर फोकस रहा कि महिलाओं के विकास और सशक्तिकरण पर कैसे ध्यान केंद्रित किया जाए। लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में 33 प्रतिशत सीटें आरक्षित करने का प्रस्ताव एक सराहनीय कदम है जिसे मोदी सरकार संभवतः 2024 के चुनाव अभियान से पहले लेकर आई है। आपको 2019 का वो दौर याद होगा जब चुनावों में तीन तलाक अध्यादेश के जरिए मुस्लिम महिलाओं का समर्थन जुटाया गया था। महिलाओं पर यह ध्यान केवल भाजपा तक ही सीमित नहीं है, कांग्रेस, जद (यू), द्रमुक और आम आदमी पार्टी (आप) सहित सभी राजनीतिक दलों ने चुनावी सफलता के लिए महिलाओं को लुभाने की कोशिश की है।

जैसा कि राजनीतिक दल पहले एक विशिष्ट समुदाय या एक विशेष जाति पर ध्यान केंद्रित करते थे, अब वे महिलाओं के वोट जीतने की कोशिश कर रहे हैं। महिलाएं, अपने आप में अपने आप में एक निर्वाचन क्षेत्र बन गई हैं। चुनावी प्रक्रिया में महिला मतदाताओं की भागीदारी बढ़ने से उनका प्रभाव और प्रभाव बढ़ रहा है। 2019 में पहली बार पुरुषों की तुलना में अधिक महिलाओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया।

महिलाओं के हाथ से राजनीतिक दलों को मिला आशीर्वाद

राजनीतिक दल इस बात को अच्छी तरह से समझते हैं और यही कारण है कि उन्होंने महिलाओं को वोट देने के लिए आकर्षित करने का प्रयास तेजी से किया है। चाहे

वह उनके बैंक खातों में जमा भत्ते, रियायती खाना पकाने के ईंधन, मुफ्त बस यात्रा या शराब की खपत के खिलाफ कार्रवाई हो, जिन पार्टियों ने महिला मतदाताओं को जीतने की कोशिश की, उन्हें भी लाभ मिला है। 2016 में बिहार के मुख्यमंत्री और जेडीयू नेता नीतीश कुमार शराबबंदी लाए, जिससे उन्हें महिलाओं का अपार समर्थन मिला। स्थानीय निकायों में आरक्षण के साथ, शराबबंदी ने सत्ता विरोधी लहर और एलजेपी के चिराग पासवान द्वारा युद्ध के बावजूद, 2020 के विधानसभा चुनावों में नीतीश की जेडी (यू) को 43 सीटें दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उस चुनाव में भी, पुरुषों (54.68 प्रतिशत मतदान) की तुलना में अधिक महिलाएं (59.69 प्रतिशत) वोट देने के लिए निकलीं, जिससे नीतीश कुमार बचे रहे। अरविंद केजरीवाल की आम आदमी पार्टी ने 2019 में मुफ्त बस यात्रा सहित महिलाओं के लिए रियायतों का वादा किया था, और 2020 में दिल्ली में सत्ता में आई। इस साल की शुरुआत में चुनावी राज्य कर्नाटक में भाजपा और कांग्रेस दोनों ने एक-दूसरे से आगे निकलने की कोशिश की। कांग्रेस ने कई रियायतों का वादा किया, जिसमें परिवार की मुखिया प्रत्येक महिला को 2,000 रुपये प्रति माह और राज्य बसों में मुफ्त यात्रा शामिल है, जो केजरीवाल की किताब से बाहर है। वादों और सत्ता विरोधी लहर ने कांग्रेस के लिए काम किया और उसने चुनाव में शानदार जीत दर्ज की और 224 सदस्यीय सदन में 136 सीटें हासिल कीं। पड़ोसी राज्य तेलंगाना में पार्टी उसी टेम्पलेट का उपयोग करने की कोशिश कर रही है। कांग्रेस नेता सोनिया गांधी ने रविवार (17 सितंबर) को महालक्ष्मी योजना की घोषणा की और महिलाओं के लिए 2,500 रुपये प्रति माह, 500 रुपये में एलपीजी सिलेंडर और राज्य सरकार की बसों में महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा का वादा किया। कांग्रेस की गारंटी तेलंगाना में मेरी प्यारी बहनों को सशक्त बनाएगी। केवल राज्य सरकारें ही नहीं, केंद्र में भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार ने हमेशा महिलाओं को सशक्त बनाने वाली योजनाओं पर जोर दिया है। 9.6 करोड़ महिलाओं के लिए रसोई गैस उज्ज्वला योजना, 27 करोड़ जन धन खाते खोलना, विशेष सावधि जमा योजनाएं, महिला उद्यमियों को 27 करोड़ से अधिक मुद्रा ऋण का वितरण और मिशन पोषण सहित मोदी सरकार द्वारा लागू की गई पहलों से काफी लाभ हुआ है। स्वच्छ भारत मिशन को महिलाओं की गरिमा की

रक्षा करने वाली एक योजना के रूप में पेश किया गया था, प्रधान मंत्री उज्ज्वला योजना का उद्देश्य महिलाओं के लिए रसोई प्रदूषण को कम करना था, और जल जीवन मिशन का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में पीने का पानी लाने में महिलाओं की समस्याओं को कम करना था। इसके अलावा, पीएम आवास-ग्रामीण योजना ने 1.7 करोड़ से अधिक महिलाओं को घर प्रदान किए, जिनमें से 70% से अधिक पीएमएवाई घरों की मालिक महिलाएं पूरी तरह से या संयुक्त रूप से हैं।

नंबर गेम में महिला वोटर्स की संख्या में उछाल

2019 के लोकसभा चुनाव में पुरुषों की तुलना में अधिक महिलाओं ने मतदान किया।

महिला मतदाताओं की भागीदारी 67.18%, पुरुष 67.01% से अधिक रही।

2019 से 2022 तक महिला मतदाताओं की संख्या में 5.1% की वृद्धि हुई।

3 वर्षों में पुरुष मतदाताओं की संख्या में 3.6% की वृद्धि देखी गई।

मतदाताओं की कुल संख्या में 4.3% की वृद्धि हुई।

2019 से 2022 कुल मतदाताओं की संख्या अब 95.1 करोड़ हो गई है

3 साल पहले 91.2 करोड़ 2019 में 43.8 करोड़ से बढ़कर अब 46.1 करोड़ महिला मतदाता हैं पुरुष मतदाताओं की संख्या 47.3 करोड़ से बढ़कर अब 49 करोड़ हो गई है

महिलाओं ने 2019 और 2022 में बीजेपी का समर्थन किया

महिला केंद्रित योजनाओं पर सरकार का फोकस पीएम मोदी और बीजेपी के लिए काम आया। इंडिया टुडे-एक्सिस माई इंडिया पोस्ट-पोल अध्ययन के अनुसार, 2019 के आम चुनाव में महिलाओं ने पीएम नरेंद्र मोदी का भारी समर्थन किया। एग्ज़िट पोल के आंकड़े, जो सही परिणाम देने वाले एकमात्र थे, ने सुझाव दिया कि 46 प्रतिशत महिलाओं ने भाजपा और उसके सहयोगियों को वोट दिया था, 27 प्रतिशत ने कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूपीए को और अन्य 27 प्रतिशत ने अन्य दलों को वोट दिया था। किसी भी आम चुनाव में यह पहली बार था जब महिलाओं (46 प्रतिशत) ने भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए के पक्ष में पुरुषों (44 प्रतिशत) से अधिक मतदान किया। दिलचस्प बात यह है कि चुनाव के बाद के अध्ययन से पता चला कि 50 प्रतिशत महिलाओं ने, जिन्होंने 'गृहिणी' के रूप में अपना व्यवसाय बताया था, भाजपा को वोट दिया, और 23 प्रतिशत ने कांग्रेस को वोट दिया। एक्सिस माई-इंडिया और लोकनीति-सीएसडीएस के चुनाव बाद सर्वेक्षणों के अनुसार, उत्तर प्रदेश सहित पांच राज्यों में से चार में 2022 के विधानसभा चुनावों में पुरुषों की तुलना में अधिक महिलाओं ने भाजपा को वोट दिया।

तीन तलाक विधेयक की तरह महिला आरक्षण विधेयक न केवल लैंगिक न्याय की दिशा में एक बड़ा कदम है, बल्कि एक उपलब्धि भी है जिसका उपयोग 2024 के आम चुनाव सहित आने वाले चुनावों में लाभ के लिए किया जा सकता है। महिला आरक्षण विधेयक कितना बड़ा संदेश देगा, यह इस तथ्य से स्पष्ट है कि कांग्रेस नेता सोनिया गांधी इसका श्रेय लेने के लिए सामने आ गईं। इससे पहले सोमवार को कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने कहा, सोनिया गांधी और मनमोहन सिंह 2010 में महिला आरक्षण बिल लाए और इसे राज्यसभा में पारित किया।लेकिन जब मैसेजिंग की बात आती है तो बीजेपी को हराना बहुत मुश्किल है. इसके अलावा, इसके पास पीएम मोदी के रूप में एक विश्वसनीय चेहरा है, जिन्होंने 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' शब्द को लॉन्च और लोकप्रिय बनाया और लैंगिक न्याय के मुद्दों पर बोलते रहे हैं।

अमृतकाल में नारी के नेतृत्व में विकास की ओर बढ़ता भारत

संसद में महिलाओं का नेतृत्व बढ़ा है। 2019 के आम चुनाव में पहली बार रिकॉर्ड 78 महिलाएं सांसद चुनकर आई हैं तो पंचायती राज व्यवस्था में बड़ी भागीदारी की वजह से 46% महिलाएं महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। अगर मुस्लिम महिलाओं की बात करें तो केंद्र सरकार ने ऐतिहासिक फैसला लेते हुए तीन तलाक खत्म किया।

रितिका कमठान

भारत अपने अमृत काल की ओर अग्रसर है। अमृत का लमें नारी शक्ति का उदय हो, इसके लिए सशक्तीकरण की यात्रा को तेजी से बढ़ाना जरुरी है। केंद्र सरकार का मानना है कि नारी शक्ति के प्रति सम्मान के साथ नी सोच का उद्देश्य वास्तविक हो, जिसे हर स्तर, हर क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी और नेतृत्व सुनिश्चित करने के लिए उपयोग में लाया जा सके। स्वर्णिम वर्ष की ओर बढ़ते भारत में नारी शक्ति, नीति, निष्ठा, निर्णय शक्ति और नेतृत्व का प्रतिबिंब बनी है क्योंकि वेदों और भारतीय परंपरा ने भी यही आह्वान किया है कि नारी सक्षम हो, समर्थ हो और राष्ट्र को दिशा दे। आज के नए भारत की नारी का प्रतिबिंब है। पहले से लेकर आज तक भारत की तरक्की के पीछे महिलाओं का बड़ा योगदान रहा है।

अमृत काल की शुरुआत के पहले अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस का महत्व बढ़ गया है क्योंकि वही राष्ट्र-समाज प्रगति कर सकता है जो महिलाओं का सम्मान करता हो। अब दुनिया तीन दिन बाद यानी आठ मार्च को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाएगी तो आजादी के स्वर्णिम वर्ष की ओर बढ़ते भारत में महिला शक्ति की आकांक्षाओं को सरकार की कई योजनाओं से मिल रही है नई उड़ान..

गर्भावस्था से सक्षम

केंद्र सरकार प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के तहत गर्भवती और स्तनपान कराने वाली माताओं के खाते में नकद हस्तांतरण से प्रोतसाहित करती है। पहला बच्चा होने पर दो किस्तों में 5,000 रुपये दूसरा बच्चा लड़की होने पर 6,000 रुपये की सहायता दी जाती है। इस योजना का अब तक 2.8 करोड़ महिलाओं को लाभ मिला है। सामाजिक सुरक्षा संहिता, 2020 में सवेतन मातृत्व अवकाश को 12 सप्ताह से बढ़ाकर 26 सप्ताह किया गया है।

नवजात व बचपन- केंद्र सरकार के मिशन पोषण 2.0 में 6 वर्ष से कम आयु के सभी बच्चे, गर्भवती महिलाएं और स्तनपान कराने वाली माताओं को सुविधा मिलती है। इस योजना के तहत अब तक पीएम पोषण में 12.5 करोड़ बच्चों को लाभ मिला है। इसके तहत ही 100% फोर्टिफाइड चावल वितरित करने का निर्णय लिया गया है।

बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ- आइए कन्या के जन्म का उत्सव मनाएं। हमें अपनी बेटियों पर बेटों की तरह ही गर्व होना चाहिए। ये कहना है प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का और उनके इस अभियान के जरिए लोगों के मन में नई चेतना जागी है। आंकड़ों के मुताबिक वर्ष 2014-15 में जन्म के समय लिंगानुपात 918 था जो 2021-22 में 16 अंकों के सुधार के साथ 934 पर पहुंचा है। इसके अलावा सरकार ने स्कूलों में भी लड़कियों के अनुपात में बढ़ोतरी लाने में सफलता पाई है। माध्यमिक स्तर पर स्कूलों में लड़कियों का नामांकन अनुपात भी 2014-15 में 75.51% से बढ़कर 79.4% पर पहुंचा है।

सरकार ने बेटियों के जन्म से पढ़ाई तक के लिए योजनाएं लाई है, जिसमें सुकन्या समृद्धि भी शामिल है। इसके तहत 2.70 करोड़ से अधिक सुकन्या खाते देश भर में खोले जा चुके है। फरवरी के पहले पखवाड़े के दो दिन में डाक विभाग ने 10.87 लाख सुकन्या खाते खोले है। इसी के साथ 19,500 से अधिक गांवों को 'संपूर्ण सुकन्या ग्राम' घोषित किया गया है।

सरकार महिलाओं और लड़कियों को पढ़ने के लिए भी नए अवसर दे रही है, जिसके लिए इनोवेशन-रिसर्च में भी काम किया जा रहा है। सरकार ने 16 महिला टेक्नोलॉजी पार्क बनाए हैं जो इनोवेशन और विज्ञान को सीखने के लिए महिलाओं को नए अवसर दे रहे हैं। इस क्षेत्र में किरण स्कॉलरशिप महिला वैज्ञानिकों के लिए मददगार साबित हुई है। इसी के साथ सरकार ने शिक्षा ऋण में आसानी के लिए 15 अगस्त, 2015 को विद्या लक्ष्मी पोर्टल की शुरुआत की थी ताकि धनराशि बेटियों की पढ़ाई में रोड़ा ना बन सके।

ड्रॉपाउट की संख्या हुई कम

स्कूलों में लड़कियों के नामांकन अनुपात में 33% की वृद्धि हुई है। इसके अलावा अगर दूरस्थ शिक्षा के मामले में भी 100 पुरुषों के मुकाबले पीएचडी में 130, एमफिल में 109, स्नातकोत्तर में 122, डिप्लोमा में 104 और इंटीग्रेटेड कोर्स में 376 महिलाएं शामिल हैं।

महिलाओं को रोजगार में मिला आरक्षण- केंद्र सकार ने वर्ष 2016 में सीआरपीएफ, सीआईएसएफ में सिपाही पद की भर्ती में 33% महिला आरक्षण की सुविधा को अनिवार्य किया, जिसके सैन्य सेवा में महिलाओं को शामिल करने की सोच में बड़ा बदलाव देखने को मिला।

सरकार के खास प्रोग्राम स्टैंड अप इंडिया में भी महिलाओं उद्यमियों को विकास करने का मौका मिला है। 10 लाख रुपये से एक करोड़ रुपये तक के स्टैंड अप इंडिया योजना के तहत 81% ऋण महिला उद्यमियों को मिला है। इसी के साथ मुद्रा योजना के तहत भी 68% ऋण महिलाओं के स्वामित्व वाले उद्यमों को स्वीकृत किए गए है।

-गणतंत्र दिवस की परेड में पहली बार सीआरपीएफ की महिला टुकड़ी और बीएसएफ की महिला ऊंट सवार भी शामिल हुईं।

- महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना यानी मनरेगा में भी 56.62% महिलाओं की भागीदारी है।

- ऐसे ऑफिस जहां 50 से अधिक कर्मचारी हैं, ऐसे ऑफिसों में कामकाजी महिलाओं के लिए अनिवार्य क्रेच सुविधा का प्रावधान ताकि कामकाजी माओं को परेशानी ना हो।

- महिलाओं की अनुमानित श्रम बल भागीदारी 2019-20 में 22.8% थी जो 2020-21 में बढ़कर 25.1 % हो गई।

- महिलाओं के लिए ऑफिसों में रात की शिफ्ट में काम करना भी राहत भरा हुआ है, क्योंकि अब पर्याप्त

सुरक्षा व्यवस्था के साथ काम की अनुमति दी गई है।

- खेती हर महिलाओं को देशभर में उपलब्ध 731 कृषि विकास केंद्रों की मदद से कृषि और संबद्ध क्षेत्रों में नवीनतम तकनीकों का प्रशिक्षण मिलता है।

- सिविल एविएशन के क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी बढ़ी है। आंकड़ों के मुताबिक देश में वैश्विक औसत से 10% अधिक कमर्शियल महिला पायलट है।

- सिविल एविएशन के अलावा डिफेंस के क्षेत्र में भी महिलाओं की भागीदारी बढ़ी है। भारतीय नौसेना से लेकर युद्ध के लिए तैयार स्क्वॉड्रन में महिला पायलटों को शामिल किया गया है। स्थायी कमीशन के लिए महिलाओं को राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में शामिल करने की शुरुआत।

- केंद्र सरकार महिलाओं को सुरक्षित वातावरण देने के लिए पूरी तरह से अग्रसर है। इसके तहत 733 वन स्टॉप सेंटर देशभर में खोले गए हैं जहां निजी, सार्वजनिक, परिवार, समुदाय या कार्यस्थल पर हिंसा से पीड़ित महिलाओं की सहायता की जाती है। इन केंद्रों पर 6.65 लाख से अधिक पीड़ति महिलाओं को अब तक सहायता मिली है। इसके अलावा देश के 13,101 पुलिस स्टेशनों में महिला सहायता डेस्क बनाए है।

- देश में महिलाओं के खिलाफ अपराधों के निपटने के लिए भी सरकार जुटी है। बलात्कार और पोस्को मामलों को तेजी से निपटाने के लिए ई-पोक्सो सहित 1023 फास्ट ट्रैक विशेष अदालतें गठित की गई हैं। यौन अपराधियों का राष्ट्रीय डेटाबेस भी बनाया जा रहा है। 418 विशेष पोक्सो अदालतों में दिसंबर 2022 तक 1,37,000 मामले निपटाये गए हैं। 2019 में पोस्को अधिनियम में संशोधन करके बच्चों पर यौन अपराध करने के लिए मृत्यु दंड तक का प्रावधान किया गया। पोस्को नियम, 2020 में स्कूलों व देखभाल गृहों के स्टाफ की अनिवार्य पुलिस जांच सहित कई अन्य प्रावधान किए गए। इसके अलावा बलात्कार के दोषियों के लिए फांसी तक की सजा का प्रावधान किया गया है, जिसके लिए आपराधिक कानून (संशोधन) अधिनियम 2018 को पारित किया गया है।

महिलाओं की सुरक्षा के लिए एक एक राष्ट्र, एक आपातकालीन नंबर 112 लांच हुआ जो कि देश भर में चालू है। वहीं उत्पीड़न की शिकायत करने के लिए ऑनलाइन व्यवस्था भी शुरू की गई।

महिलाओं के लिए जीवन में स्वच्छता और सुगमता के लिए देश भर में 11.60 करोड़ शौचालयों का निर्माण हुआ। इनका निर्माण स्वच्छ भारत मिशन के तहत हुआ। इसने महिलाओं के जीवन को बदल कर गौरवपूर्ण बनाया है। वहीं देश भर में आजादी के बाद से भी महिलाएं धुएं में जुझने को मजबूर थी। इससे छुटकारा दिलाते हुए देश के 9.6 करोड़ से अधिक गरीब परिवारों को उज्जज्वला योजना के तहत देशभर में गैस कनेक्शन दिए गए। वहीं विश्व स्वास्थ्य संगठन के आंकड़ों के मुताबिक पारंपरिक ईंधन- लकड़ी, कोयला आदि से खाना पकाने से भारत में सालाना 5 लाख मौतें होती थीं। लेकिन केंद्र सरकार के इस प्रयास से महिलाओं में सांस संबंधी बीमारी के मामलों में 20 फीसदी की कमी आई है।

कोरोना काल में दी आर्थिक सहायता - सरकार ने कोरोना काल में देश की 20.50 करोड़ महिला लाभार्थियों के बैंक खाते में 31,000 करोड़ रुपये हस्तांतरित किए गए। इसके अलावा महिलाओं के स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए नौ हजार से ज्यादा जन औषधि केंद्रों के माध्यम से देशभर में मात्र 1 रुपये में सैनेटरी नैपकिन उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

केंद्र सरकार की आवासीय योजना की शुरुआत के बाद वर्ष 2015 में जमीन और मकान का मालिकाना हक पाने वाली महिलाओं की संख्या में बढ़ोतरी हुई।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में महिलाएं सशक्तीकरण और सामर्थ्य का प्रतिबिंब बनी है। घर के प्रमुख फैसलों में भी महिलाओं की भागीदारी बढ़ी है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण 5 के मुताबिक देश में अब 88.7% महिलाएं अब प्रमुख घरेलू फैसलों में भाग लेती हैं, पांच वर्ष पहले यह भागीदारी 84% थी। वहीं लिंगानुपात की बात करें तों आंकड़े काफी राहत भरे हैं क्योंकि राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-5 के मुताबिक महिलाओं की संख्या पहली बार एक हजार पुरुषों के मुकाबले 1020 पहुंची है। सरकार ने दिसंबर, 2021 में बाल विवाह निषेध (संशोधन) अधिनियम, लोकसभा में पेश कर लड़कियों की शादी की उम्र 18 से बढ़ा कर 21 साल कर दिया। देश की आम महिलाओं के अलावा अगर संसद की बात की जाए तो यहां भी महिलाओं की भागीदारी बढ़ी है।

संसद में महिलाओं का नेतृत्व बढ़ा है। 2019 के आम चुनाव में पहली बार रिकॉर्ड 78 महिलाएं सांसद चुनकर आई हैं तो पंचायती राज व्यवस्था में बड़ी भागीदारी की वजह से 46% महिलाएं महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। अगर मुस्लिम महिलाओं की बात करें तो केंद्र सरकार ने ऐतिहासिक फैसला लेते हुए तीन तलाक खत्म किया। मुस्लिम महिला विवाह अधिकार संरक्षण अधिनियम 2019 में राष्ट्रपति के हस्ताक्षर के बाद लागू हुआ। इसे सितंबर 2018 से प्रभावी माना गया। कानून का उल्लंघन करने पर तीन वर्ष के कारावास और जुर्माने का प्रावधान किया गया है।

सम्मेलन के 10 दिन बाद ही फीकी पड़ने लगी रंगत

मुरझाने रहे पौधे; गमले में पानी देने वाला नहीं कोई

परिवहन विशेष न्यूज

जी-20 शिखर सम्मेलन में राजधानी दिल्ली को दुल्हन की तरह संजाया गया था। जगह-जगह फव्वारे बनाए गए थे और आयोजन स्थल को हर भरा दिखाने के लिए दिल्ली नगर निगम से लेकर लोक निर्माण विभाग नई दिल्ली नगरपालिका परिषद ने गमले और पौधे लगाए थे। लेकिन दस दिन के भीतर ही जी 20 शिखर सम्मेलन के लिए लगाई गई हरियाली मुरझाने लगी है।

नई दिल्ली। जी-20 शिखर सम्मेलन में राजधानी दिल्ली को दुल्हन की तरह संजाया गया था। जगह-जगह फव्वारे बनाए गए थे और आयोजन स्थल को हर भरा दिखाने के लिए दिल्ली नगर निगम से लेकर लोक निर्माण विभाग, नई दिल्ली नगरपालिका परिषद ने गमले और पौधे लगाए थे। लेकिन, दस दिन के भीतर ही जी 20 शिखर सम्मेलन के लिए लगाई गई हरियाली मुरझाने लगी है।

राजधानी के विभिन्न मार्गों पर लगे पौधे रखरखाव के अभाव में सूख रहे हैं। इतना ही नहीं कुछ गमलों को चोरी भी किया जा रहा है। हालांकि इसकी मात्रा कम हैं।

दिल्ली में कई स्थानों पर सूख रहे पौधे

ऐसा ही हाल राजघाट के सामने गांधी दर्शन के आगे मिला। आईपी पार्क फ्लाईओवर के पास सड़क पर रखे पौधे सूखे हुए नजर आए। वहीं, दिल्ली के विभिन्न स्थानों पर यह पौधे सूखे हुए दिखाई दे जाएंगे। इतना ही नहीं पानी न मिलने के चलते पौधे पीले भी पड़ने लगे हैं। मथुरा रोड पर लगे कई पौधे पीले पड़ते हुए नजर आ रहे हैं।

सूख जाएंगे पौधे

अगर, समय से इनकी ओर ध्यान नहीं दिया गया तो पौधों को सूखने में देर नहीं लगेगी। वहीं, इस मामले लोक निर्माण विभाग प्रमुख अभियंता ओपी त्रिपाठी से पक्ष मांगने के लिए संपर्क किया गया पर संपर्क नहीं हो सका। उल्लेखनीय है कि एमसीडी ने 25 हजार, एनडीएमसी ने एक लाख और चार लाख पौधे के गमले पीडब्ल्यूडी ने लगाए थे।

जी-20 के दौरान जो निगरानी थी वह अब नहीं दिख रही

जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान सभी विभाग सक्रिय रूप से कार्य कर रहे थे। इसलिए सेंट्रल वर्ज पर लगे पौधों से लेकर सड़क किनारे रखे गमलों में लगे पौधों पर खास निगरानी की जा रही थी। दिन में दो से तीन बार पानी देते हुए भी कर्मी नजर आ रहे थे, लेकिन अब पीडब्ल्यूडी के वाहन सड़कों पर कम दिखाई देने लगे हैं।

गर्मी बढ़ने पर इन पौधों को पानी नहीं मिल पा रहा है। जिसकी वजह से पौधे दम तोड़ दे रहे हैं। इतना ही नहीं निगरानी सही तरह से न होने की वजह से कई स्थानों पर देखा जा रहा है कि मिट्टी को पौधे समेत निकालकर असमाजिक तत्व वहीं पर रख दे रहे हैं और प्लास्टिक के गमले को ले जा रहे हैं। आइपी फ्लाइओवर पर लगे कई गमलों में ऐसी स्थिति दिखाई दी।

फव्वारों को असमाजिक तत्वों से बचाना है चुनौती

गमलों के साथ ही निकायों और विभागों के लिए चुनौती फव्वारों का रखरखाव है। पीडब्ल्यूडी और एनडीएमसी इन फव्वारों में पानी तो डाल रहे हैं। इससे यह फव्वारे संचालित भी हो रहे हैं। पर असमाजिक तत्व इन फव्वारों की मोटर, नल और लाइटें भी चुरा सकते हैं। विभाग को इसकी चिंता हैं।

29 सितम्बर को दिल्ली जंतर मंतर पर धरना प्रदर्शन करेगी आंगनबाड़ी कर्मचारी

नई दिल्ली। अखिल भारतीय आंगनबाड़ी कर्मचारी महासभा के तत्वावधान में दिनांक 29-9-2023दिन शुक्रवार को दिल्ली के जंतर-मंतर संसद मार्ग पर आंगनबाड़ी कर्मचारियों की विभिन्न समस्याओं के निदान हेतु 15 सूत्रीय मांगों को लेकर राष्ट्रव्यापी विशाल धरना -प्रदर्शन आयोजित किया जायेगा। बाल विकास परियोजना नानौता में एक बैठक आयोजित की गई जिसको सम्बोधित करते हुए जिला संरक्षक नरेन्द्र दत्त शर्मा ने कहा कि आंगनवाडी कार्यकत्री मनरेगा के मजदूरों से भी कम मजदूरी पर कार्य कर रही है और काम का बोझ दिनप्रतिदिन बढता जा रहा है जिस काम को राज्य एवं केन्द्रीय कर्मचारी करने से बचते हैं वह आंगनवाडी को सौंप दिया जाता है और उपर से फिर भी आंगनवाडी का शोषण किया जाता है जो अब नही सहा जायेगा। इसलिए सभी बहने 29 सितंबर को दिल्ली चले। मिटिंग में मा. महेंद्र सिंह सोमवती, कुसुम, बबीता, अनिता, शशी, रेखा उषा, बालेस रेखा, गीता बेहडा, आदि उपस्थित रही।

दिल्ली में 'दृश्यम' फिल्म जैसा कांड, ASI के सीनियर सर्वेयर की हत्या, शव दबाकर करवाया फर्श; जानिए पूरी वारदात

भारतीय सर्वेक्षण विभाग (ASI) के सीनियर सर्वेयर महेश कुमार की हत्या के बाद शव को सरकारी फ्लैट के आंगन में गाड़ कर आरोपित सहकर्मी ने पक्का फर्श बनवा दिया। पुलिस ने आरोपित अनीस को गिरफ्तार कर उसकी निशानदेही पर आरके पुरम सेक्टर-दो स्थित फ्लैट संख्या-623 के आंगन में खुदाई कर सर्वेयर के शव (कंकाल) को बरामद कर लिया।

नई दिल्ली। भारतीय सर्वेक्षण विभाग (ASI) के सीनियर सर्वेयर महेश कुमार की हत्या के बाद शव को सरकारी फ्लैट के आंगन में गाड़ कर आरोपित सहकर्मी ने पक्का फर्श बनवा दिया। पुलिस ने आरोपित अनीस को गिरफ्तार कर उसकी निशानदेही पर आरके पुरम सेक्टर-दो स्थित फ्लैट संख्या-623 के आंगन में खुदाई कर सर्वेयर के शव (कंकाल) को बरामद कर लिया। बताया जा रहा है कि आरोपित ने उसकी महिला मित्र के बारे में अपशब्द बोलने और पैसों को लेकर हुए विवाद में हत्या की वारदात को अंजाम दिया है।

अचानक हो गए थे गायब

दक्षिण-पश्चिमी जिला पुलिस अधिकारियों के अनुसार, महेश कुमार(42) झज्जर (हरियाणा) के मूल निवासी थे। वहीं से रोज कार्यालय आते-जाते थे। वह 28 अगस्त को अचानक गायब हो गए। महेश के भाई मुनेश ने आरके पुरम थाने में गुमशुदगी दर्ज कराई और जांच के दौरान पुलिस टीम को महेश कुमार के सहकर्मी क्लर्क अनीस पर संदेह हुआ।

आरोपी ने पुलिस को गुमराह किया

पूछताछ में पुलिस को गुमराह करते हुए उसने बताया कि महेश ने नौकरी लगवाने के नाम पर लोगों से काफी पैसा लिया था और वापस नहीं दे पा रहा था। इस कारण वह फरार है। सख्ती से पूछताछ में उसने सच उगल दिया।

आरोपी ने मृतक के परिवार को परेशान न करने की अपील की

उसकी निशानदेही पर आंगन में खुदाई कर सर्वेयर के शव को बरामद कर लिया गया। इससे पहले महेश के भाई मुनेश ने जब अनीस से भाई के बारे में पूछा तो उसने महेश के वॉट्सऐप पर 65 लाख रुपये कर्ज होने के चलते फरार होने की स्टोरी लगाकर परिवार को परेशान न करने का अनुरोध किया। इस पर मुनेश को शक हो गया और वह आरके पुरम थाना पहुंच गया।

महिला मित्र के बारे में बोले थे अपशब्द

पूछताछ में सामने आया है कि करीब 15 दिन पहले कार्यालय में अनीस के महिला मित्र के बारे में महेश ने अपशब्द बोले थे। वह इस बात से नाराज था और तभी उसने हत्या की साजिश रची। इसके बाद फावड़ा, पाना इत्यादि का इंतजाम कर लिया था। उसने महेश से नौ लाख रुपये भी उधार लिए थे।

नौ लाख रुपये और युवती से बहस का हिसाब चुकाया

युवती से बहस और नौ लाख का हिसाब एक बार में चुकाने के इरादे से आरोपित ने महेश को आरके पुरम सेक्टर दो स्थित मकान संख्या-1121 यानि अपने घर बुलाकर पाने से सिर पर ताबड़तोड़ वार कर हत्या कर दी। वह कार से महेश के शव को मकान नंबर-623 में ले गया और आंगन में शव को गाड़कर ऊपर फर्श बनवा दिया।

बुजुर्ग दंपती के घर फायरिंग के मामले में दो आरोपी गिरफ्तार, तमंचा चेक करने के दौरान चली थी गोली

दिल्ली के दक्षिणपुरी इलाके एक बुजुर्ग दंपती के घर पर फायरिंग करने के मामले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दो बदमाशों को गिरफ्तार किया है। पूछताछ में पता चला कि दोनों पास के ही पार्क में तमंचा चेक कर रहे थे। दोनों नशे की हालत में थे। चेक करने के दौरान पीयूष से अचानक गोली चल गई और गोली घर के अंदर रखी टीवी में जा लगी।

दक्षिणी दिल्ली। अंबेडकर नगर थाना क्षेत्र स्थित दक्षिणपुरी इलाके में एक बुजुर्ग दंपती के घर पर फायरिंग मामले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दो बदमाशों को 24 घंटों के अंदर गिरफ्तार कर लिया है। उनके पास से तमंचा और दो कारतूस बरामद हुआ है।

पार्क में चेक रहे थे तमंचा

वहीं, गिरफ्तार बदमाशों की पहचान दक्षिणपुरी के पीयूष गुप्ता और मोहित के रूप में हुई है। पूछताछ में पता चला कि दोनों पास के ही पार्क में तमंचा चेक कर रहे थे। दोनों नशे की हालत में थे। चेक करने के दौरान पीयूष से अचानक गोली चल गई और गोली घर के अंदर रखी टीवी में जा लगी। इसके बाद पीड़ित परिवार ने पुलिस को काल कर मामले की जानकारी दी।

फायरिंग में टीवी पर लगी गोली

दक्षिणी जिले की पुलिस उपायुक्त चंदन चौधरी ने बताया कि 17 सितंबर की रात करीब 11.54 बजे दक्षिणपुरी में मकान संख्या 289/2 ब्लाक नंबर दो में फायरिंग की पीसीआर कॉल मिली थी। कॉलर ने बताया कि उनके घर पर फायरिंग हुई है और एक गोली टीवी में लगी है। हालांकि गोली से कोई हताहत नहीं हुआ है।

सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस टीम को शिकायतकर्ता 60 वर्षीय राजबाला ने बताया कि वह अपने पति नारायण और परिवार के अन्य सदस्यों के साथ रहती हैं। 17 सितंबर की रात करीब 11.40 मिनट पर अपने पति के साथ लिविंग रुम में मौजूद थी और टीवी देख रही थी। तभी पटाखे जैसी आवाज सुनाई पड़ी। फिर देखा कि टीवी में गोली लगी है। हालांकि घर में मौजूद किसी सदस्य को गोली नहीं लगी। उनके शिकायत पर मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। 50 से अधिक सीसीटीवी फुटेज की जांच की गई। उसके बाद दोनों बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया गया।

अगर महिला सियाचिन में तो पुरुष की सेना में नर्स के रूप में हो सकती है तैनाती

सशस्त्र बलों में लैंगिक समानता की वकालत करते हुए दिल्ली हाईकोर्ट ने टिप्पणी की कि जब एक महिला अधिकारी को सियाचिन में तैनात किया जा सकता है तो एक पुरुष को सेना में नर्स के रूप में भी नियुक्त किया जा सकता है। अदालत उक्त टिप्पणी सैन्य प्रतिष्ठानों में केवल महिला नर्सों को रखने की असंवैधानिक प्रथा के विरुद्ध दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए की।

नई दिल्ली। सशस्त्र बलों में लैंगिक समानता की वकालत करते हुए दिल्ली हाईकोर्ट ने टिप्पणी की कि जब एक महिला अधिकारी को सियाचिन में तैनात किया जा सकता है तो एक पुरुष को सेना में नर्स के रूप में भी नियुक्त किया जा सकता है। अदालत उक्त टिप्पणी सैन्य प्रतिष्ठानों में केवल महिला नर्सों को रखने की असंवैधानिक प्रथा के विरुद्ध दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए की। सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार की तरफ से पेश हुए अतिरिक्त सालिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी ने कहा कि सेना में प्रथाएं लंबे समय से चली आ रही परंपराओं पर आधारित हैं। हालांकि, सरकार अभी लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने के लिए एक कानून लेकर आई है।

क्या दिया जा रहा तर्क?

इसके जवाब में मुख्य न्यायाधीश सतीश चंद्र शर्मा और न्यायमूर्ति संजीव नरूला की पीठ ने कहा कि संसद में केंद्र सरकार एक तरफ महिलाओं को सशक्त बनाने की बात की जा रही है, वहीं दूसरी तरफ तर्क दिया जा रहा है कि पुरुष नर्स के रूप में शामिल नहीं हो सकते।

दो बदमाशों ने अधेड़ व्यक्ति पर किया चाकू से हमला, बचाने की कोशिश में पत्नी घायल

नई दिल्ली। दिल्ली के साउथ कैंपस इलाके में बदसलूकी का विरोध करने पर दो बदमाशों ने एक अधेड़ पर चाकू से हमला कर दिया। शोर सुनकर घायल को बचाने आई उनकी पत्नी पर भी आरोपितों ने चाकू से वार किए। यह सब देखकर मौके पर भीड़ जमा हो गई। भीड़ ने एक आरोपित को मौके पर ही चाकू के साथ दबोच लिया। जबकि दूसरा आरोपित मौके से फरार होने में कामयाब हो गया। सूचना के बाद मौके पर पहुंची साउथ कैंपस थाना पुलिस ने घायल 54 वर्षीय सूरज सिंह के बयान पर मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि पीड़ित 54 वर्षीय सूरज सिंह अपने परिवार के साथ साउथ कैंपस के मोती बाग इलाके में रहते हैं। वह किराने की दुकान चलाते हैं। पुलिस को दिए बयान में उन्होंने बताया कि वह सात सितंबर की रात को अपनी दुकान के बाहर बैठे हुए थे। आरोप है कि इसी बीच वहां श्याम सुंदर और नवीन आ गए। दोनों पर पहले से कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस को सूरज सिंह ने बताया कि दोनों आरोपित वहां आकर बदसुलूकी करने लगे। इस पर सूरज सिंह ने दोनों आरोपितों का विरोध किया तो आरोपितों ने सूरज पर चाकू से हमला कर दिया। श्याम सुंदर ने सूरज पर चाकू से कई वार किए। शोर सुनकर वहां उनकी पत्नी फूलवती आ गई और बीच बचाव करने लगी।

प्रधानमंत्री विश्वकर्म योजना स्वरोजगार की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम: डॉक्टर के. लक्ष्मण

स्वतंत्र सिंह भुल्लर

नई दिल्ली। मोदी सरकार द्वारा प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना का शुभारंभ किए जाने पर भाजपा राष्ट्रीय ओबीसी मोर्चा के मीडिया सह प्रभारी प्रमोद पहलवान द्वारा पिलंजी गांव (चौपाल) कोटला मुबारकपुर में भव्य धन्यवाद समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें उपस्थित लोगों ने इस योजना के लागू किए जाने पर प्रधानमंत्री का आभार व्यक्त किया। मंच का संचालन प्रदीप बोहरा द्वारा किया गया। अन्य उपस्थित गणमान्य लोगों में दिल्ली प्रदेश भाजपा उपाध्यक्ष गजेंद्र यादव, सुरेंद्र बदोलिया, अनुपम लोधी, जयचंद नंबरदार, चौधरी करतार, जिले सिंह, चौधरी लज्जा, चौधरी गजराज, चौधरी बुचा, चौधरी चंदन, चौधरी सुखदेव, चौधरी सुक्कन, चौधरी चमन, संजय गुर्जर, विवेक चौधरी, मोतीलाल जी आदि उपस्थित रहे। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए ओबीसी मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं सांसद डॉक्टर के लक्ष्मण ने कहा कि मोदी सरकार ने समाज के कमजोर वर्ग एवं ओबीसी के उत्थान के लिए ऐतिहासिक फैसले लिए हैं। जिसका व्यापक असर भी देखने को मिल रहा है। डॉक्टर लक्ष्मण ने कहा कि केंद्र की सरकार में पहली बार 27 ओबीसी मंत्री हैं। ओबीसी समाज के सर्वांगीण विकास के लिए दर्जनों योजनाओं पर सरकार काम कर रही है। आजादी के 75 वर्षों में ओबीसी समाज के कल्याण के लिए इतने महत्वपूर्ण फैसले नहीं लिए गए, सिर्फ कांग्रेस ओबीसी को अपना वोट बैंक समझती रही। इस अवसर पर ओबीसी मोर्चा के मीडिया सह प्रभारी प्रमोद पहलवान ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री मोदी जी द्वारा समाज के कमजोर वर्ग के उत्थान के लिए लाया गया प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना मिल का पत्थर साबित होगा। उन्होंने कहा कि ओबीसी मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में डॉक्टर के. लक्ष्मण समाज को संगठित करने का बेमिसाल काम किया है। डॉक्टर लक्ष्मण को राष्ट्रीय ओबीसी मोर्चा के सफलतम अध्यक्ष की संज्ञा देते हुए श्री पहलवान ने कहा की सबको साथ लेकर चलने की अद्भुत क्षमता एवं जन जन तक मोदी सरकार की नीतियों एवं कार्यों का प्रचार कर आज ओबीसी समाज को डॉक्टर के. लक्ष्मण ने भाजपा के पक्ष में पूरी तरह से लामबंद कर दिया है।

(इस पर चिंतन भी करो) निजीकरण व्यवस्था नहीं बल्कि पुन: रियासतीकरण है..

मात्र 70 साल में ही बाजी पलट गई। जहाँ से चले थे उसी जगह पहुंच रहे हैं हम। फर्क सिर्फ इतना कि दूसरा रास्ता चुना गया है और इसके परिणाम भी ज्यादा गम्भीर होंगे।

1947 जब देश आजाद हुआ था। नई नवेली सरकार और उनके मंत्री देश की रियासतों को आजाद भारत का हिस्सा बनाने के लिए परेशान थे।

तकरीबन 562 रियासतों को भारत में मिलाने के लिए साम दाम दंड भेद की नीति अपना कर अपनी कोशिश जारी रखे हुए थे। क्योंकि देश की सारी संपत्ति इन्हीं रियासतों के पास थी।

कुछ रियासतों ने नखरे भी दिखाए, मगर कूटनीति और चतुरनीति से इन्हें आजाद भारत का हिस्सा बनाकर भारत के नाम से एक स्वतंत्र लोकतंत्र की स्थापना की।

और फिर देश की सारी संपत्ति सिमट कर गणतांत्रिक पद्धति वाले संप्रभुता प्राप्त भारत के पास आ गई।

धीरे धीरे रेल, बैंक, कारखानों आदि का राष्ट्रीयकरण किया गया और एक शक्तिशाली भारत का निर्माण हुआ।

मात्र 70 साल बाद समय और विचार ने करवट ली है। फासीवादी ताकतें पूंजीवादी व्यवस्था के कंधे पर सवार हो राजनीतिक परिवर्तन पर उतारू है।

लाभ और मुनाफे की विशुद्ध वैचारिक सोच पर आधारित ये राजनीतिक देश को फिर से 1947 के पीछे ले जाना चाहती है। यानी देश की संपत्ति पुनः रियासतों के पास.....!

लेकिन ये नए रजवाड़े होंगे कुछ पूंजीपति घराने और कुछ बड़े बडे राजनेता

निजीकरण की आड़ में पुनः देश की सारी संपत्ति देश के चन्द पूंजीपति घरानो को सौंप देने की कुत्सित चाल चली जा रही है। उसके बाद क्या..?

निश्चित ही लोकतंत्र का वजूद खत्म हो जाएगा। देश उन पूंजीपतियों के अधीन होगा जो परिवर्तित रजवाड़े की शक्ल में सामने उभर कर आयेंगे। शायद रजवाड़े से ज्यादा बेरहम और सख्त।

यानी निजीकरण सिर्फ देश को 1947 के पहले वाली दौर में ले जाने की सनक मात्र है। जिसके बाद सत्ता के पास सिर्फ लठैती करने का कार्य ही रह जायेगा।

सोचकर आश्चर्य कीजिये कि 562 रियासतों की संपत्ति मात्र चन्द पूंजीपति घरानो को सौंप दी जाएगी।

ये मुफ्त इलाज के अस्पताल, धर्मशाला या प्याऊ नहीं बनवाने वाले। जैसा कि रियासतों के दौर में होता था। ये हर कदम पर पैसा उगाही करने वाले अंग्रेज होंगे।

निजीकरण एक व्यवस्था नहीं बल्कि पुनः रियासतीकरण है।

कुछ समय बाद नव रियासतीकरण वाले लोग कहेगें कि देश के सरकारी अस्पतालों, स्कूलों, कालेजों से कोई लाभ नहीं है अतः इनको भी निजी हाथों में दे दिया जाय तो जनता का क्या होगा?

अगर देश की आम जनता प्राइवेट स्कूलों और हास्पिटलों के लूटतंत्र से संतुष्ट है तो रेलवे को भी निजी हाथों में जाने का स्वागत करें

हमने बेहतर व्यवस्था बनाने के लिए सरकार बनाई है ना कि सरकारी संपत्ति मुनाफाखोरों को बेचने के लिए।

सरकार घाटे का बहाना बना कर सरकारी संस्थानो को बेच क्यों रही है? अगर प्रबंधन सही नहीं तो सही करे। भागने से तो काम नही चलेगा।

यह एक साजिश के तहत सुनियोजित तरीके से किया जा रहा है पहले सरकारी संस्थानों को घाटे में दिखाया जा रहा है और फिर सिद्ध किया जा रहा है ठीक से काम नही कर रहें, फिर बदनाम किया जा रहा है और अन्त में निजीकरण करा जा रहा हैं, इस कारण निजीकरण करने पर विरोध भी नही हो रहा, फिर बेच दो जिन्होंने उन्हें जिन्होंने चुनाव के समय पार्टी को भारी भरकम खर्च की फंडिंग की थी।

याद रखिये पार्टी फण्ड में गरीब मज़दूर, किसान पैसा नही देता। पूंजीपति देता है। और पूंजीपति दान नहीं देता, निवेश करता है। चुनाव बाद मुनाफे की फसल काटता है।

आइए विरोध करें निजीकरण का।

सरकार को अहसास कराएं कि वह अपनी जिम्मेदारियों से भागे नहीं।

सरकारी संपत्तियों को बेचे नहीं। अगर कहीं घाटा है तो प्रबंधन ठीक करे।

सड़क के रास्ते UP इंटरनेशनल ट्रेड शो पहुंचेंगी राष्ट्रपति, काफिला निकलने से 10 मिनट पहले रोका जाएगा ट्रैफिक

परिवहन विशेष न्यूज

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ग्रेटर नोएडा स्थित एक्सपो मार्ट में यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो के उद्घाटन अवसर पर शाम चार बजे ग्रेटर नोएडा पहुंचेंगी। ऐसे में उनके आने से करीब दस मिनट पहले ट्रैफिक रोका जाएगा। राष्ट्रपति के आने को लेकर यातायात पुलिस ने तैयारी शुरू कर दी है। यातायात पुलिस की ओर से दूसरे विकल्प के रूप में सड़क मार्ग भी तैयार किया गया है।

नोएडा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ग्रेटर नोएडा स्थित एक्सपो मार्ट में यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो के उद्घाटन अवसर पर शाम चार बजे ग्रेटर नोएडा पहुंचेंगी। उनके दिल्ली से सड़क मार्ग से नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेस-वे होकर अपने गंतव्य की ओर जाने की संभावना है।

दस मिनट पहले रोका जाएगा ट्रैफिक

ऐसे में उनके आने से करीब दस मिनट पहले ट्रैफिक रोका जाएगा। राष्ट्रपति के आने को लेकर यातायात पुलिस ने तैयारी शुरू कर दी है। अभी मिनट्स टू मिनट्स कार्यक्रम नहीं आया है। वैसे राष्ट्रपति के हेलिकॉप्टर से भी आने की संभावना है, लेकिन यातायात पुलिस की ओर से दूसरे विकल्प के रूप में सड़क मार्ग भी तैयार किया गया है।

काफिले को फिल्म सिटी के रास्ते उतारा जाएगा

इसी को देखते हुए तैयारी की जा रही है। अगर राष्ट्रपति सड़क मार्ग के जरिये ग्रेटर नोएडा पहुंचेंगी तो डीएनडी के जरिए नोएडा आने पर उनके गाड़ियों के काफिले को लूप के जरिए फिल्म सिटी रास्ते पर उतारा जाएगा। यहां से सीधे नोएडा ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे होते हुए सीधे एक्सपो मार्ट ले जाया जाएगा।

ऐसे में उनके नोएडा की सीमा में प्रवेश करने से करीब 10 मिनट पहले इस रूट को जोड़ने वाली सभी रास्तों पर ट्रैफिक रोका जाएगा। इन रास्तों में मुख्य रूप से चिल्ला, कालिंदी कुंज, सेक्टर- 37, 82 समेत अन्य कट व रास्ते हैं जो फिल्म सिटी और एक्सप्रेस-वे पर आकर मिलते हैं। काफिला निकलने के दस मिनट बाद ट्रैफिक धीरे-धीरे छोड़ा जाएगा।

उद्घाटन समारोह के दौरान उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदी बेन पटेल, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी मौजूद रहेंगे। एक साथ तीन बड़े वीवीआइपी आगमन के मद्देनजर यातायात पुलिस की ओर से विशेष तैयारियां की गई है। एक्सप्रेस-वे समेत प्रमुख मार्गों पर ड्यूटी लगाई गई हैं। वहीं कैमरे के जरिये भी निगरानी की जा रही है।

तीन बजे से आना शुरू हो जाएंगे वीवीआईपी

डीसीपी ट्रैफिक अनिल यादव का कहना है कि ट्रेड शो में आने वाले वीवीआइपी बृहस्पतिवार दोपहर तीन से बजे से नोएडा और ग्रेटर नोएडा के जरिये अपने गंतव्यों तक पहुंचेंगे। आमजन से अपील है कि ट्रैफिक एडवाइजरी का पालन करेंगे। वहीं प्रतिबंधित रास्तों पर आने से बचे। जिससे जाम नहीं झेलना पड़े।

हथियार के बल पर कार लूटने वाले दो आरोपी गिरफ्तार, लूटी गई गाड़ी भी बरामद

गुरुग्राम में रामपुरा सर्विस रोड पर मारुति सुजुकी शोरूम के पास रात में चार हथियारबंद बदमाशों द्वारा कार लूटने के मामले में मानेसर क्राइम ब्रांच की टीम ने दो आरोपितों को धर दबोचा है। मोहित को राजस्थान के बावल व पवन को रविवार रात मानेसर के पचगांव चौक से गिरफ्तार किया गया है। कार लूटने के बाद देश के विभिन्न स्थानों में पैसे कमाने के लिए उनको बेच देते हैं।

गुरुग्राम। खेड़कीदौला थाना क्षेत्र में रामपुरा सर्विस रोड पर मारुति सुजुकी शोरूम के पास सात अगस्त की रात चार हथियारबंद बदमाशों द्वारा कार लूटने के मामले में मानेसर क्राइम ब्रांच की टीम ने दो आरोपितों को धर दबोचा है। आरोपितों की पहचान मोहित व पवन उर्फ कालू के रूप में हुई।

साथियों के साथ मिलकर लूटते थे कार

मोहित को राजस्थान के बावल व पवन को रविवार रात मानेसर के पचगांव चौक से गिरफ्तार किया गया है। पुलिस पूछताछ में पता चला कि आरोपित अपने साथियों के साथ मिलकर कार लूटते हैं तथा देश के विभिन्न स्थानों में पैसे कमाने के लिए उनको बेच देते हैं।

लूटी गई कार भी बरामद

मोहित पर लड़ाई-झगड़ा और हत्या के प्रयास के दो केस राजस्थान व लूट का एक केस गुरुग्राम में अंकित है। पवन पर आर्म्स एक्ट के तहत एक अभियोग राजस्थान में दर्ज है। लूट में शामिल आरोपितों का एक अन्य साथी राजस्थान का बीर सिंह भोंडसी जेल में बंद है।

मोहित अलवर व पवन रोहतक के सेक्टर 14 का रहने वाला है। आरोपितों के पास से लूटी गई कार बरामद की गई। दोनों को कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

श्रमिक से छीना मोबाइल फोन

वहीं आईएमटी मानेसर थाना क्षेत्र में मोबाइल फोन छीनने की घटनाएं लगातार बढ़ती जा रही हैं। सोमवार रात भी एक श्रमिक से मोबाइल फोन छीन लिया गया। आईएमटी थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस को दी शिकायत में मूलरूप से बिहार के मधुबनी के मिर्जापुर निवासी धनपत ने बताया कि वह गांव भांगरौला में किराये पर रहते हैं और आइएमटी मानेसर में कंपनी में कार्य करते हैं। सोमवार रात नौ बजे वह मोबाइल फोन पर बात करते हुए कमरे पर जा रहे थे। इसी दौरान पीछे से आए बाइक सवार युवक मोबाइल फोन छीनकर भागने लगे। भागते समय उनकी मोटरसाइकिल अनियंत्रित होकर गिर गई। दोनों युवक अंधेरे का फायदा उठाकर भाग गए। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

कॉलोनी में चल रहा था अवैध धंधा, पुलिस ने 20 लोगों को किया गिरफ्तार

शालीमार गार्डन थाना क्षेत्र में दिल्ली से सटी बंगाली कॉलोनी के एक मकान में चल रहे अवैध कसीनो और सट्टे का भंड़ाफोड़ कर पुलिस ने 20 लोगों को गिरफ्तार किया है। 20 हजार रुपये कसीनो बॉक्स सवा किलो गांजा सट्टा पर्ची गोटी आदि बरामद की है। पुलिस मकान मालिक की तलाश कर रही है। सभी आरोपी रिक्शा कामगार और अन्य काम करते हैं।

गाजियाबाद। शालीमार गार्डन थाना क्षेत्र में दिल्ली से सटी बंगाली कॉलोनी के एक मकान में चल रहे अवैध कसीनो और सट्टे का भंड़ाफोड़ कर पुलिस ने 20 लोगों को गिरफ्तार किया है। 20 हजार रुपये, कसीनो बॉक्स, सवा किलो गांजा, सट्टा पर्ची, गोटी आदि बरामद की है। पुलिस मकान मालिक की तलाश कर रही है। सहायक पुलिस आयुक्त शालीमार गार्डन सूर्यबली मौर्य ने बताया कि मुखबिर से सूचना मिली थी कि दिल्ली से सटी बंगाली कॉलोनी में टोनी उर्फ जावेद के मकान में अवैध कसीनो और सट्टा चल रहा है। थाना प्रभारी निरीक्षक रविशंकर पांडेय पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे।

ये हैं पकड़ गए 20 लोग

उन्होंने मौके से 20 लोगों को दबोच लिया। पकड़े गए आरोपित नोएडा फेज तीन गौतमबुद्ध नगर का जैदुल, विक्रम एंक्लेव का कासिम, दिलशाद कॉलोनी सीमापुरी का बोबी, पप्पू कॉलोनी का राहुल, मोंटी, विवेक और रवि, डिफेंस कॉलोनी का जितेंद्र, नंदनगरी दिल्ली रिक्की और आकाश, डीएलएफ शालीमार गार्डन का अमित कुमार, सीमापुरी दिल्ली का जाहिद, गरिमा गार्डन का अब्दुल शकूर, जवाहर पार्क का मुस्तफा, शोएब, समीर और सुहैल, न्यू सीमापुरी का शिवम और राहुल हैं। सभी रिक्शा, कामगार और अन्य काम करते हैं।

10 रुपये लगाने पर सौ रुपये देने का झांसा

थाना प्रभारी निरीक्षक रविशंकर पांडेय ने बताया दिल्ली के टोनी ने एक महिला से यह मकान खरीदी था। वही यहां पर कसीनो और सट्टा चला रहा था। यहां का जिम्मा उसने जैदुल को सौंपा था। 10 रुपये लगाने पर सौ रुपये देने का झांसा देता था। दिल्ली की सीमा से सटा यह दूसरा मकान है। इसका उसे काफी फायदा मिलता था। मकान के आसपास अपने लड़कों को रेकी के लिए लगा रखा था। एक सितंबर से यहां पर कसीनो और सट्टा चल रहा था।

साहिबाबाद में फंदे से लटका मिला युवक का शव, मामले की जांच में जुटी पुलिस

साहिबाबाद के अर्थला में मंगलवार को एक युवक ने फंदा लगा लिया। स्वजन उसे उतारकर अस्पताल लेकर पहुंचे। युवक मां और भाई के साथ रहता था। मंगलवार सुबह मां सो कर उठी तो दुपट्टे के सहारे वह फंदे से लटका हुआ था। वहीं ट्रानिका सिटी थाना क्षेत्र की शिव विहार कालोनी के एक 42 वर्षीय व्यक्ति की संदिग्ध हालात में मौत हो गई।

साहिबाबाद। कोतवाली क्षेत्र के अर्थला में मंगलवार को एक युवक ने फंदा लगा लिया। स्वजन उसे उतारकर अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। अस्पताल से पुलिस को जानकारी मिली। वहीं, ट्रानिका सिटी थाना क्षेत्र के शिव विहार में एक व्यक्ति की संदिग्ध हालात में मौत हो गई।

दुपट्टे के सहारे लटका मिला शव

पुलिस सभी बिंदुओं पर जांच कर रही है। अर्थला में एक युवक मां और भाई के साथ रहता था। मंगलवार सुबह मां सो कर उठी तो दुपट्टे के सहारे वह फंदे से लटका हुआ था। स्वजन उसे उतारकर मोहन नगर के एक अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना पर साहिबाबाद कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पुलिस को मौके से कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है। पुलिस अवसाद में युवक के फंदा लगाने की बात कह रही है। सभी बिंदुओं पर जांच कर रही है।

संदिग्ध हालात में मौत

ट्रानिका सिटी थाना क्षेत्र की शिव विहार कालोनी के एक 42 वर्षीय व्यक्ति की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची।पुलिस को एक सुसाइड नोट बरामद हुआ। जिसमें लिखा था कि मैं अपनी मर्जी से सुसाइड कर रहा हूं। इसके लिए किसी को जिम्मेदार न माना जाए। मेरा शव को मेरे स्वजन को न दिया जाए। जबकि स्वजन का कहना है कि बीमारी से उनकी मौत हुई है। सहायक पुलिस आयुक्त लोनी रजनीश कुमार उपाध्याय ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। बीमार से मौत होने की जानकारी मिल रही है। सुसाइड नोट की हैंडराइटिंग की जांच कर रही है।

एसआईटी करेगी मतांतरण मामले की जांच, आरोपियों से बरामद हुए 15 मोबाइल

गाजियाबाद में मतांतरण के मामले की जांच के लिए एसआईटी (विशेष जांच टीम) गठित की गई है। एसआईटी में एक इंस्पेक्टर दो दारोगा और चार कॉन्स्टेबल लगाए जाएंगे। जिससे मोबाइल और खातों की जांच करने में आसानी हो। पुलिस के अनुसार आरोपियों के पास 15 मोबाइल फोन बरामद किए हैं। सभी की कॉल डिटेल वाट्सएप समेत अन्य विवरण खंगाला जाना है।

साहिबाबाद। कोतवाली क्षेत्र के करहैड़ा की नूर नगर कालोनी में मतांतरण के मामले की जांच के लिए एसआईटी (विशेष जांच टीम) गठित की गई है। एसआईटी में एक इंस्पेक्टर, दो दारोगा और चार कॉन्स्टेबल लगाए जाएंगे। जिससे मोबाइल और खातों की जांच करने में आसानी हो।

15 मोबाइल फोन बरामद

पुलिस की मानें तो आरोपितों से 15 मोबाइल बरामद किए गए हैं। इन सभी की कॉल डिटेल, वाट्सएप, समेत अन्य विवरण खंगाला जाना है। इन लोगों के संपर्क में कितने और लोग हैं। यह किस किस से प्रचार प्रसार को लेकर वार्ता करते थे। जहां जहां गए होंगे वहां की तस्वीरें और वीडियो भी फोन से मिलने पर पुलिस को सहायता मिलेगी।

सभी खातों की होगी जांच

इन सभी के खातों की जांच करानी है। खातों में कहीं से रुपये तो नहीं आ रहे थे। यदि आ रहे थे तो कहां से और किसके खातों से आ रहे थे। इनके खातों से किसको ट्रांसफर किया जा रहा था। सभी का विवरण निकालने में काफी समय लगेगा। एक जांच अधिकारी का कम समय में यह करपाना संभव नहीं है। इसलिए अधिकारियों ने मंगलवार दोपहर को एसआइटी के गठन किया गया है। पुलिस राजन वर्मा, दिनेश जाटव, अशरत उस्मान उर्फ जेम्स, जाय मुख्य रूप से जांच करा रही है। पुलिस ने इस मामले में कई लोगों के बयान दर्ज किए हैं।

मिली धमकी, रिपोर्ट दर्ज

न्यू विजय नगर सेक्टर नौ के मीडियाकर्मी मयंक गौड़ को मतांतरण की खबर चलाने पर एक इमेल आइडी से धमकी भरा संदेश भेजा गया है। उन्होंने इस संबंध में विजय नगर कोतवाली में शिकायत की है।पुलिस ने उनकी शिकायत पर रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जांच तेज करने के लिए एसआइटी का गठन किया गया है। एक निरीक्षक, दो दारोगा और चार कांस्टेबल शामिल हैं।मिश्रित और मलिन बस्तियों में यह लोग अधिक जाते थे। जिले में पहली बार यहां आए थे। जांच कराई जा रही है। जो तथ्य सामने आ रहे हैं सभी को जांच में शामिल किया जा रहा है। -भास्कर वर्मा,

भारत की पहचान है सनातन, सनातन की छाया में ही अन्य धर्म सुरक्षित रह सकते हैं

सनातन धर्म अक्षयवट है जिसकी छाया में मनुष्यता सुरक्षित है। उसकी जड़ें जितनी गहरी हैं उसका विस्तार आकाश में भी उतना ही अपार है। उसके आदर्श काल्पनिक नहीं यथार्थपरक हैं। वह जड़ अथवा स्थिर नहीं है, गतिमान है और परिवर्तनशील है।

डॉ. कृष्णगोपाल मिश्र

सनातन धर्म के विरुद्ध विपक्षी नेताओं के बयानों की गाली गलौज भरी बौछारें देखकर पुरानी हिन्दी फिल्म का चर्चित गीत 'अच्छों को बुरा साबित करना दुनिया की पुरानी आदत है' याद आता है। दुनिया की यह आदत रही होगी किन्तु भारतवर्ष की सनातन संस्कृति में उसकी मूलभूत विशेषता सहिष्णुता के कारण यह आदत कभी नहीं रही। गुलामी के काले दिनों में अंग्रेजों ने भारतवर्ष के धर्म, संस्कृति, शिक्षा आदि समस्त अस्मिता सूचक महान संदर्भों के विरुद्ध षड्यन्त्रपूर्वक विष उगलना प्रारम्भ किया। उनके इसी विष को यहाँ के कम्यूनिस्टों ने शिक्षा, साहित्य और कला के धरातल पर स्वतंत्र भारत में निरन्तर फैलाया और आज यही जहर राजनीतिक रोटियाँ सेंकने के लिए विपक्ष के कुछ नेता उगल रहे हैं। सनातन धर्म, समानता के खिलाफ है, वह कुष्ठ रोग की तरह है, उसे डेंगू मलेरिया और कोरोना की तरह मिटाना होगा- आदि अपमान सूचक वाक्य देश की फिजा में गूँजकर देश-विदेश में बसे एक अरब से अधिक सनातनी हिन्दुओं की धार्मिक भावनाओं को आहत करके उनकी सहिष्णुता का खुला मजाक उड़ा रहे हैं। उन्हें समर्थन देने वाले इसे अभिव्यक्ति की आजादी कह रहे हैं और इसका समर्थन कर रहे हैं। यदि स्वयं को चर्चा में लाने और मीडिया में छाने के लिए ऐसी अनर्गल बयानबाजी अभिव्यक्ति की आजादी है तो इस पर कठोर प्रतिबंध लगाये जाने पर विचार करना आज की बड़ी आवश्यकता बन गयी है क्योंकि ऐसे बयानों से विपक्ष को सत्ता मिले या न मिले किन्तु सामाजिक समन्वय, सद्भाव और सहयोग अवश्य क्षत-विक्षत होगा। समाज में संघर्ष बढ़ेगा। इसलिए ऐसे नफरत भरे बयानों पर नियंत्रण अनिवार्य है।

सनातन धर्म भारतवर्ष का अपना धर्म है। उसके सिद्धान्त शाश्वत हैं और न केवल भारतवर्ष के लिए अपितु समस्त विश्व के कल्याण के लिए संकल्पित हैं। हजारों वर्ष पूर्व सनातन धर्म ने 'सर्वे भवन्तु सुखिनः' का उदार भाव व्यक्त किया और आज भी वह अपने धार्मिक अनुष्ठानों की समापन वेला में 'विश्व का कल्याण हो, प्राणियों में सद्भावना हो'- जैसे उद्घोष गुंजित कर अपनी मूल्य चेतना को स्वर देता है। प्रकृति के साथ उसकी गहरी रागात्मकता है जो नदी, सागर, पर्वत, वन, बादल, भूमि, वायु आदि में देवत्व का दर्शन कराती है और प्राकृतिक पर्यावरण की शुद्धता के लिए आवश्यक वातावरण का निर्माण करती है। सनातन धर्म के अद्वैत दर्शन ने मनुष्य के साथ-साथ जीवमात्र में परम सत्ता का दर्शन देकर पशु-पक्षियों, कीट-पतंगों तक की रक्षा का प्रावधान किया है। सनातन धर्म का प्रतिनिधि ग्रंथ श्रीमद्भगवदगीता ब्राह्मण, गाय हाथी, कुत्ता, चाण्डाल सब में एक ही ईश्वर की उपस्थिति निर्देशित कर जीवमात्र की समानता का शंखनाद करता है। वैदिक युग से लेकर आज तक उसका प्रवाह निर्बाध रहा है। शास्त्र और शस्त्र सनातन धर्म की दो सशक्त भुजाएं हैं। राम, कृष्ण और शिव उसके प्रतीक आदर्श हैं। भारत में हिमालय से लेकर कन्याकुमारी तक फैले छोटे-बड़े करोड़ों मंदिर, चैरे, चबूतरे उसके ऊर्जा केन्द्र हैं और असंख्य साधु-संन्यासी उसके संरक्षक हैं। उसे मिटाने की बात करना दिन में सपने देखने जैसा है।

सनातनी धर्म की रक्षा के लिए प्राणों की बाजी लगाने में अग्रणी हैं। शकों और हूणों जैसे बर्बर आक्रान्ताओं पर विजय प्राप्त करने वाला सनातन धर्म गजनवी, गोरी, तैमूर, औरंगजेब, नादिरशाह और अहमदशाह अब्दाली जैसे आक्रान्ताओं से टकराकर भी नहीं टूटा। ईस्ट इंडिया कंपनी के साथ आए पादरियों के कुचक्र और प्रलोभन उसे लुभा न सके। हजारों वर्ष के संघर्ष के बाद भी उसकी विजय-पताका सबसे ऊँची है। शिकागो के सर्वधर्म सम्मेलन में स्वामी विवेकानन्द के व्याख्यान की सर्वस्वीकृति उसकी साक्षी है।

सनातन दूर्वा है। उसमें दूर्वा की तरह झुककर पैरों तले रौंदे जाने पर भी अपने अस्तित्व को बचा ले जाने की अद्भुत क्षमता है। विधर्मी आक्रमणों और कुटिल षड्यंत्रों की कड़ी धूप में सूख जाने पर भी वह अवसर पाकर हरी हो उठती है।

सनातन अमरवेल है। उसे अपने विस्तार के लिए कभी राजसिंहासन का सहारा नहीं लेना पड़ा। वह राजपुत्रों और राजवंशों से पोषण पाकर नहीं फैली। उसे अपने प्रसार के लिए आक्रमणकारी सैनिकों और सेवा का आडम्बर रचते प्रलोभनकारी व्यापारियों का सहारा नहीं लेना पड़ा। सनातन धर्म की अमरवेल अपने उदार चिन्तन और मानवीय मूल्यों के कारण बिना आश्रय के ही फल-फूल रही है। विश्व में प्रतिष्ठित हो रहे नए मंदिर इसके प्रमाण हैं। सऊदी अरब जैसे इस्लामिक देश में मंदिर निर्माण सनातन की नयी प्रतिष्ठा है। इस्कान द्वारा स्थापित कृष्ण मंदिरों की बढ़ती संख्या सनातन धर्म की अमर बेल का नूतन विकास है।

सनातन धर्म अक्षयवट है जिसकी छाया में मनुष्यता सुरक्षित है। उसकी जड़ें जितनी गहरी हैं उसका विस्तार आकाश में भी उतना ही अपार है। उसके आदर्श काल्पनिक नहीं यथार्थपरक हैं। वह जड़ अथवा स्थिर नहीं है, गतिमान है और परिवर्तनशील है। उसमें अपने अंदर समय के साथ आने वाली विकृतियों को स्वयं दूर करने की अद्भुत क्षमता है। गति, परिवर्तन, परिष्करण, संशोधन उसके मूलतत्व हैं। इसलिए वह चिर पुरातन और नित नवीन है। उसकी पृष्ठभूमि में विराट इतिहास है और उसके समक्ष अनन्त भविष्य। सनातन मनुष्य की रचनात्मक प्रज्ञा का अक्षय प्रवाह है। नकारात्मक नारों का भ्रामक प्रचार उसे रोक नहीं सकता।

विगत शताब्दियों में परतंत्रता जनित प्रभावों के कारण सनातन में आयी छुआछूत, पर्दा, बालविवाह, आदि विकृतियों पर विजय पाने की ओर सनातन का विजय-रथ निरन्तर अग्रसर है। सनातन को कोसकर समाज में जहर घोलने वाले इन तथाकथित बुद्धिजीवियों, समाज सुधारकों और नेताओं को यह नहीं भूलना चाहिए कि अब से लगभग पंद्रह सौ वर्ष पूर्व सम्राट हर्षवर्धन के समय में भारत भ्रमण पर आने वाले विदेशी चीनी यात्री हवेनसांग ने भारतीय समाज की जिस सुख, शान्ति, समृद्धि का उल्लेख किया है वह सनातन चिन्तन परम्परा की ही देन है। भारत सोने की चिड़िया सनातन व्यवस्था की छाया में ही रहा। अयोध्या नरेश सत्यवादी हरिश्चन्द्र को काशी के डोम ने खरीदा था इस संदर्भ से भी प्राचीन भारत में सनातन व्यवस्था में दलित समझे जाने वाले वर्ग की आर्थिक स्थिति का अनुमान करना चाहिए। लगभग सौ वर्ष पूर्व सवर्ण वर्ग में जन्मे महर्षि दयानन्द ने आर्यसमाज की स्थापना कर सनातन धर्म में संशोधन करते हुए अस्पृश्यता के अभिशाप को दूर करने की दिशा में देशव्यापी सार्थक प्रयत्न किये। कथित ऊंची जातियों में जन्म लेने वाले वीर सावरकर, महात्मा गाँधी, डॉ. हेडगेवार, प. श्रीराम शर्मा आचार्य आदि ने सनातन में आए सामाजिक भेदभाव को दूर करने के लिए गंभीर प्रयत्न किये जिनका शुभ परिणाम स्वतंत्र भारत में धार्मिक, सामाजिक और संवैधानिक धरातल पर आज सबके सामने हैं। मंदिरों के द्वार सबके लिए खुले हैं। आज चाय की गुमठियों, होटलों और चाट के ठेलों पर खाने-पीने का सामान बनाने वालों की जाति नहीं पूछी जाती। सामाजिक समरसता के इन प्रयत्नजनित सकारात्मक परिवर्तनों ने सनातन को नई शक्ति दी है। जिन गाँवों-कस्बों में अभी भी हठपूर्वक छुआ-छूत जैसे अपराध यदि कुछ लोग कर रहे हैं तो उनके विरुद्ध कठोर कानूनी कार्यवाहियाँ हो रही हैं। जितना घना अंधेरा कल तक था उतना आज नहीं है। जो आज बचा है वहै कल नहीं रहेगा। इस आशा और विश्वास के साथ सनातन समाज आगे बढ़ रहा है। उसने तुलसीदास के उस रामराज्य की स्थापना को चुना है जिसमें चारों वर्णों के लोग राजघाट पर साथ-साथ स्नान करते हैं-

राजघाट सब विधि सुंदर वर।
मज्जहिं तहाँ बरन चारिउ नर।।

किंतु सामाजिक समरसता के इस राजघाट का निर्माण दलित और सवर्ण की राजनीति करने वाले कुछ नेताओं को रास नहीं आ रहा है। वह उनकी आँख की किरकिरी बन रहा है क्योंकि इसके कारण उन्हें सत्ता स्वयं से छिटकती दिख रही है। उनकी बौखलाहट बढ़ रही है और वे वाणी का विवेक और संयम खोकर स्वयं को ही कोस रहे हैं। सनातन को कोसने वालों का मूल भी सनातन में ही है क्योंकि सनातन ही भारत की पहचान है। संसार के अन्य देश भारत की सनातन सांस्कृतिक विरासत यहाँ के मठों, मंदिरों, धर्म ग्रंथों, पर्व-उत्सवों, राम-कृष्ण आदि महापुरुषों से ही जानते हैं।

सनातन है तो भारत है। सनातन नहीं तो भारत नहीं, भारत की पहचान नहीं। सनातन की छाया में ही भारत में अन्य धर्म सुरक्षित रह सकते हैं। विगत सात दशकों का इतिहास साक्षी है कि पाकिस्तान और बंगलादेश में सनातन के अल्पमत में आते ही वहाँ अन्य धर्मों के अनुयायी सुरक्षित नहीं रहे। अफगानिस्तान में सनातन पूरी तरह निर्मूल हुआ है तो वहाँ बौद्ध, जैन और सिख आदि भी नहीं बचे हैं। जिस धर्म-निरपेक्षता और सर्वधर्म समभाव की दुहाई हमारे विपक्षी नेता देते हैं उसकी सुरक्षा सनातन की पुष्टि में ही है, उसके निर्मूलन में नहीं।

विभागाध्यक्ष-हिन्दी
शासकीय नर्मदा स्नातकोत्तर महाविद्यालय
नर्मदापुरम्म.प्र.

मारुति हुंडई नहीं ये देशी कंपनी ला रही सस्ती 500Km रेंज वाली ईवी

देश की कार मार्केट में अभी पहले और दूसरे नंबर पर मारुति सुजुकी और हुंडई कंपनी कंपनियां है। लेकिन इन कंपनियों ने अभी ज्यादा तो क्यों मारुति ने तो कोई भी ईवी मार्केट में लॉन्च नहीं की है। जिससे इलेक्ट्रिक गाड़ियों की डिमांड को डिमांड के चलते टाटा देशी ऑटो मेकर कंपनियां टाटा मोटर्स और महिंद्रा एड महिंद्रा अपने ईवी वी को धड़ल्ले से लांच कर रहे हैं।

महिंद्रा कंपनी अपने इलेक्ट्रिक कारों को लेकर जलवा बिखेरने वाली है। धीरे-धीरे कंपनी XUV.e8, XUV.e9, BE 05 और BE 07 इलेक्ट्रिक लाइनअप को ला रही है। जिसमें से पहला मॉडल से महिंद्रा XUV.e8 का होगा, जो इनोवेटिव INGLO प्लेटफॉर्म पर आधारित है। खास बात है कि इनमें दिए जाने वाले बैटरी पर फीचर की जानकारी आ रही है।

कंपनी अपनी पहली महिंद्रा XUV.e8 ईवी को काफी खास बना रही है, जिसमें कनेक्टेड LED DRLs, आक्रामक फ्रंट फेसिया, किनारों पर भारी क्लैडिंग, इंटीग्रेटेड साइड इंडिकेटर्स के साथ ऑटोमैटिक ORVMs, नए LED हेडलैंप मिलेंगे।

महिंद्रा XUV.e8 में ऐसा होगा तगड़ा बैटरी पैक और रेंज

कंपनी महिंद्रा XUV.e8 में से एक 60-किलोवाट बैटरी पैक लगा रही है। जिसकी रेंज लगभग 400 किमी होगी और 80-किलोवाट बैटरी पैक के साथ लगभग 500 किमी की रेंज मिलेगी।

कंपनी इसे INGLO आर्किटेक्चर पर बना रही है, जिसमें 60kWh से 80kWh तक के बैटरी पैक को सपोर्ट करता है। इसे 175kW फास्ट चार्जर का उपयोग करके केवल 30 मिनट में 80 प्रतिशत तक चार्ज किया जा सकता है।

वही इसकी लंबाई 4,740mm, चौड़ाई 1,900mm और ऊंचाई 1,760mm होगी, जबकि व्हीलबेस 2,762mm होगा। यह XUV700 की तुलना में आकार और व्हीलबेस दोनों में ही बड़ी होगी।

महिंद्रा XUV.e8 की कब होगी लॉन्चिंग और कीमत

कंपनी महिंद्रा XUV.e8 को दिसंबर, 2024 तक भारतीय बाजार में लॉन्च कर सकती है और शुरुआती कीमत 21 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) के आस-पास रहने की उम्मीद है। हालांकि इससे पहले टाटा कई ईवी को लॉन्च कर चुकी होगी।

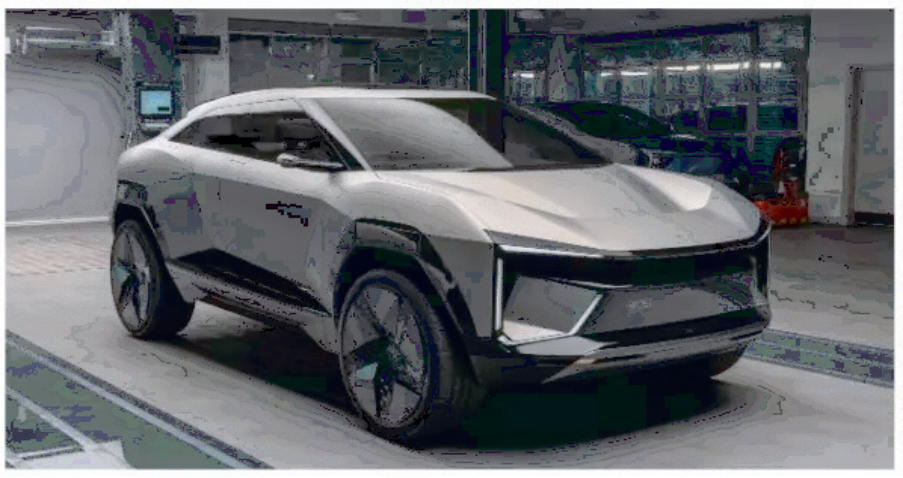

नई Tata Nexon EV खरीदें या MG ZS EV ?, खरीदने से पहले जानें हर जरूरी बात

टाटा मोटर्स ने 2023 टाटा नेक्सॉन ईवी फेसलिफ्ट मॉडल लॉन्च किया है. माना जा रहा है कि यह मॉडल मार्केट में पहले से मौजूद एमजी जेडएस ईवी मॉडल के लिए जबरदस्त टक्कर देगा.

चार पहिया वाहन क्षेत्र में कंपनियां काफी तेजी से अपने इलेक्ट्रिक मॉडल को लॉन्च कर रहे हैं इसी कड़ी में हाल में ही दिग्गज कंपनी टाटा मोटर्स ने 2023 टाटा नेक्सॉन ईवी फेसलिफ्ट मॉडल को लॉन्च किया है. इस आर्टिकल में हम 2023 टाटा नेक्सॉन ईवी फेसलिफ्ट (2023 Tata Nexon EV) और एमजी मोटर की जेडएस ईवी मॉडल (MG ZS EV) की आपस में तुलना करेंगे.

2023 Tata Nexon EV facelift मॉडल का बैटरी पैक

मोटर्स कंपनी ने 2023 टाटा नेक्सॉन ईवी फेसलिफ्ट मॉडल के दो वेरिएंट लॉन्च किए हैं पहले वेरिएंट मिड रेंज और दूसरा लॉन्ग रेंज है. इन दोनों वेरिएंट में अलग तरह का बैटरी पैक भी दिया गया है. मिड रेंज में करीब kWh बैटरी पैक दिया गया है जबकि लॉन्ग रेंज में 40.5 kWh का बैटरी पैक दिया गया है.

MG ZS EV मॉडल का बैटरी पैक

एमजी जेडएस ईवी मॉडल के मार्केट में पांच वेरिएंट उपलब्ध है हम केवल एमजी जेडएस ईवी मॉडल कि बात करें तो कंपनी की तरफ से इसमें 50.3 kWh बैटरी पैक की सुविधा दी गई है. रेंज की बात करें तो बैटरी को एक बार चार्ज कर लेने पर यह करीब 461 किलोमीटर की रेंज को टच कर सकता है.

2023 Tata Nexon EV facelift मॉडल का पावर

पावर की बात करें तो 2023 टाटा नेक्सॉन ईवी फेसलिफ्ट मॉडल में जेन2 मोटर दिया गया है मिड रेंज वेरिएंट की बात करें तो यह करीब 127 बीएचपी अधिकतम पावर और 215 एनएम का मैक्सिमम टॉर्क जनरेट कर सकता है वही लॉन्ग रेंज वेरिएंट की बात करें तो यह करीब 143 बीएचपी अधिकतम पावर और 215 एनएम टॉर्क जनरेट कर सकता है.

MG ZS EV मॉडल का पावर

एमजी जेडएस ईवी मॉडल के पावर कैपेसिटी की बात करें तो यह मोटर चालू करने पर 174.33 बीएचपी की पावर और 280 एनएम का मैक्सिमम टॉर्क जनरेट होता है.

2023 Tata Nexon EV facelift मॉडल के फीचर्स

2023 टाटा नेक्सॉन ईवी फेसलिफ्ट मॉडल के फीचर्स की बात करें तो कंपनी की तरफ से इसमें 12.3 इंच का टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम, 10.25 इंच का इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर, जेबीएल ऑडियो सिस्टम, वायरलेस स्मार्टफोन चार्जर जैसे तमाम फीचर्स दिए गए हैं.

MG ZS EV मॉडल के फीचर्स की बात

एमजी जेडएस ईवी मॉडल के फीचर्स की बात करें तो कंपनी की तरफ से इसमें एक प्रीमियम क्वालिटी का इंटीरियर दिया गया है इसके अलावा कंपनी ने इसके अंदर कई सारे आधुनिक फीचर्स जैसे की डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर, 10.1 इंच टचस्क्रीन जैसे फीचर्स शामिल है.

2023 Tata Nexon EV facelift मॉडल कीमत

सबसे जरूरी कीमत की बात करें तो टाटा मोटर्स कंपनी ने अपने 2023 टाटा नेक्सॉन ईवी फेसलिफ्ट मॉडल की शुरुआती एक्स शोरूम कीमत 14.74 लाख रूपये से 19.94 लाख रूपये तक रखा है.

इस Electric SUV पर मिल रहा 2 लाख रुपये का डिस्काउंट, Hyundai इन कारों पर भी लाई ऑफर्स

हुंडई भारत में दूसरी सबसे ज्यादा कारें बेचने वाली कंपनी है. लेकिन, अगर इलेक्ट्रिक कारों की बात आए तो टाटा मोटर्स का फिलहाल कोई तोड़ नहीं है. टाटा मोटर्स भारत में सबसे ज्यादा इलेक्ट्रिक कारें बेचती है. टाटा मोटर्स की इलेक्ट्रिक कार बाजार में 80% से भी ज्यादा की हिस्सेदारी है. इसके पास कई इलेक्ट्रिक मॉडल हैं. वही, हुंडई दूसरी सबसे ज्यादा कारें बेचने वाली कंपनी होने के बाद भी भारत में इलेक्ट्रिक कार की बिक्री में पिछड़ी हुई है. दरअसल, इसके पास इलेक्ट्रिक कार के नाम पर भारत में सिर्फ एक ही मॉडल है, जो कोना ईवी (Kona EV) है. यह एक इलेक्ट्रिक एसयूवी है. अब सितंबर महीने में इसपर कंपनी दो लाख रुपये तक के ऑफर्स दे रही है. इसके अलावा, कुछ अन्य कारों पर भी डिस्काउंट ऑफर उपलब्ध हैं. चलिए, इनके बारे में बताते हैं.

कंपनी अपनी कोना ईवी पर सबसे ज्यादा डिस्काउंट ऑफर कर रही है. सितंबर 2023 में यह इलेक्ट्रिक कार खरीदने पर 2 लाख रुपये की बचत तक कर सकते हैं. बता दें कि हुंडई कोना इलेक्ट्रिक की प्राइस रेंज 23.84 लाख रुपये से 24.03 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) तक है. इसमें एक इलेक्ट्रिक मोटर है, जिसे 39 केडब्ल्यूएच बैटरी पैक से जोड़ा गया है. इसकी एआरएआई सर्टिफाइड रेंज 452 किलोमीटर है. यह 0 से 100 किलोमीटर प्रति घंटा की स्पीड 9.7 सेकंड में हासिल कर सकती है.

हुंडई कारों पर ऑफर्स (सितंबर 2023)

Grand i10 Nios पर 43,000 रुपये तक के ऑफर्स हैं.
Aura- 33,000 रुपये तक के ऑफर्स हैं.
i20- 40,000 रुपये तक के ऑफर्स हैं.
i20 N-Line- 50,000 रुपये तक के ऑफर्स हैं.
Verna- 25,000 रुपये तक के ऑफर्स हैं.
Alcazar- 20,000 रुपये तक के ऑफर्स हैं.
Kona EV- 2,00,000 रुपये तक के ऑफर्स हैं.

हुंडई की एंट्री-लेवल हैचबैक ग्रैंड आई10 निओस की बात करें तो इसपर 43,000 रुपये तक की आकर्षक छूट दी जा रही है. यह ऑफर वेरिएंट्स पर निर्भर करता है.

स्कूली छात्र और कुपोषण

डा. वरिंदर भाटिया

देश के कुछेक राज्य सितंबर के महीने को पोषण माह के तौर पर मना रहे हैं। इस पोषण माह के दौरान सभी कुपोषण के अधिक शिकार और आंशिक तौर पर कुपोषण के शिकार बच्चों की सेहत और तंदुरुस्ती पर खास ध्यान देते हुए उन पर काम किया जाएगा। छोटी क्लास के स्कूली छात्रों के कुपोषण, यानी ठीक खुराक न मिलने के अनेक कारण हो सकते हैं।

यही कारण है कि भोजन और शिक्षा आपस में एक-दूसरे पर निर्भर हैं और यदि इसका प्रबंधन सही ढंग से नहीं किया गया तो नए भारत के लिए चुनौती बन सकता है। देखा जाए तो कुपोषण कोई ऐसी बीमारी नहीं जिसे कम न किया जा सके। बस हमें इस पर ध्यान देने की जरूरत है। स्कूली बच्चों को जंक फूड के विपरीत प्रभावों से बचाने की बहुत जरूरत है। कुल मिला कर न केवल नीति स्तर पर, बल्कि परिवार में भी बच्चों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए उन्हें कैसा आहार दिया जाता है, इसको ध्यान में रखकर कुपोषण की समस्या को काफी हद तक सीमित किया जा सकता है। यूं भी जो हमारी शिक्षा व्यवस्था है, उसमें कमियां हैं और यह उन बातों पर फोकस नहीं कर रही है कि हमें क्या खाना चाहिए और कितनी मात्रा में खाना चाहिए। चूंकि हमारी समझ और जानकारी किताबों और लेक्चर्स से आती है, ऐसे में भोजन और स्वास्थ्य क्षेत्र से जुड़े पाठयक्रम आज के समय की बहुत बड़ी जरूरत हैं'

देश के कुछेक राज्य सितंबर के महीने को पोषण माह के तौर पर मना रहे हैं। इस पोषण माह के दौरान सभी कुपोषण के अधिक शिकार और आंशिक तौर पर कुपोषण के शिकार बच्चों की सेहत और तंदुरुस्ती पर खास ध्यान देते हुए उन पर काम किया जाएगा। छोटी क्लास के स्कूली छात्रों के कुपोषण, यानी ठीक खुराक न मिलने के अनेक कारण हो सकते हैं। सभी राज्यों में कुपोषण का मुख्य कारण गरीबी ही है। कम मात्रा में भोजन करने पर बच्चों में कुपोषण विकसित हो सकता है। कुपोषण की समस्या देश के अनेक राज्यों में संतोषजनक नहीं है। उदाहरण के तौर पर छत्तीसगढ़ में नक्सल समस्या सबसे बड़ी समस्या मानी जाती है, क्योंकि इससे विकास की रफ्तार धीमी हो रही है। इसके बाद दूसरी सबसे बड़ी समस्या कुपोषण को माना जाता है। इसकी चपेट में प्रदेश के लाखों बच्चे हैं। खासकर ट्राइबल इलाकों के बच्चे ज्यादातर कुपोषित हैं। राज्य में वर्तमान में 17 फीसदी से अधिक बच्चे कुपोषण की श्रेणी में आते हैं जिनकी संख्या लाखों में है। इसी तरह से मध्य प्रदेश में बाल आरोग्य एवं पोषण मिशन की ताजा तिमाही रिपोर्ट में करीब 78 हजार बच्चों में कुपोषण मिला है। ये वो बच्चे हैं, जो रोजाना आंगनबाड़ी पहुंचते हैं। रिपोर्ट जनवरी, फरवरी और मार्च 2023 की है जो दो जून को जारी हुई है। पिछली तिमाही (अक्टूबर, नवंबर और दिसंबर 2022) की रिपोर्ट की तुलना में भोपाल समेत सात संभागों में गंभीर कुपोषित बच्चों की संख्या बढ़ी है। साल 2021 में दुनिया के 76.8 करोड़ लोग कुपोषण का शिकार पाए गए। इनमें 22.4 करोड़ (29 फीसदी) भारतीय थे। यह दुनियाभर में कुल कुपोषितों की संख्या के एक-चौथाई से भी अधिक है। जहां तक देश का सवाल है तो भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा खाद्य उत्पादक देश है।

दूध, दाल, चावल, मछली, सब्जी और गेहूं उत्पादन में हम दुनिया में पहले स्थान पर हैं। इसके बावजूद देश की एक बड़ी आबादी कुपोषण का शिकार है। संयुक्त राष्ट्र की 'द स्टेट ऑफ फूड सिक्योरिटी एंड न्यूट्रिशन इन द वर्ल्ड 2022' की रिपोर्ट के अनुसार साल 2019 के कोरोनाकाल के बाद लोगों का भूख से संघर्ष तेजी से बढ़ा है। साल 2021 में दुनिया के 76.8 करोड़ लोग कुपोषण का शिकार पाए गए। इनमें 22.4 करोड़ (29 फीसदी) भारतीय थे। यह दुनियाभर में कुल कुपोषितों की संख्या के एक-चौथाई से भी अधिक है। इसकी वजह से देश पर बीमारियों का बोझ बहुत ज्यादा है। कुपोषण पर भारत सरकार के आंकड़े दिखाते हैं कि भारत में कुपोषण का संकट और गहरा गया है। कुछ आंकड़ों के मुताबिक भारत में इस समय 33 लाख से अधिक बच्चे कुपोषित हैं। इनमें से आधे से ज्यादा यानी कि 17.7 लाख बच्चे गंभीर रूप से कुपोषित हैं। देश के कुछ राज्यों मे सुपोषण योजना के माध्यम से कुपोषण मुक्ति के लिए व्यापक अभियान चलाया जा रहा है। इस योजना के तहत कुपोषित महिलाओं, गर्भवती और शिशुवती माताओं के साथ बच्चों को गरम भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है। राशन में आयरन और विटामिन युक्त फोर्टीफाइड चावल और गुड़ देकर लोगों के दैनिक आहार में विटामिन्स और मिनरल्स की कमी को दूर करने का प्रयास किया गया है। इसके साथ ही गुणवत्तापूर्ण पौष्टिक रेडी टू ईट और स्थानीय उपलब्धता के आधार पर पौष्टिक आहार देने की भी व्यवस्था की गई है। महिलाओं और बच्चों को फल, सब्जियों सहित सोया और मूंगफली की चिक्की, पौष्टिक लड्डू, अण्डा सहित मिलेट्स के बिस्कुट और स्वादिष्ठ पौष्टिक आहार के रूप में दिया जा रहा है। सभी राज्यों में इससे अधिक प्रयासों की जरूरत है। कुपोषण को दूर करने के लिए हमारे स्कूलों में खास प्रयास कर सकते हैं। स्कूलों में पढ़ रहे बच्चों में कुपोषण को दूर करने के तरीकों पर पेरेंट्स की समझ बढ़ाने के लिए पेरेंट्स को बच्चों में कुपोषण के मुद्दे पर काउंसलिंग दी जानी चाहिए ताकि ये सुनिश्चित किया जा सके कि उनके बच्चों को संतुलित और पौष्टिक आहार मिल सके। इसके साथ ही बच्चों में खाने की अच्छी आदतों को विकसित करने के लिए स्कूलों को योजना बनानी चाहिए। इस दिशा में प्रशासनिक कोशिशों में तेजी लाई जाए, तो बेहतर परिणाम मिल सकते हैं। मिड-डे-मील जैसी योजनाओं का प्रभावी वर्शन लाए जाने की जरूरत है। गैर सरकारी संगठन कुपोषण को लेकर सरकारों को सहयोग करें। ग्लोबल हंगर इंडेक्स (जीएचआई) 2019 ने कुछ चेतावनी भरे तथ्य उजागर किए हैं। इस इंडेक्स में भूख के आधार पर 117 देशों की रैंकिंग की गई है और इसमें भारत 102वें स्थान पर है। ब्रिक्स देशों में भारत की रैंकिंग सबसे कम है। जीएचआई इंडेक्स पांच वर्ष से कम आयु वाले ऐसे बच्चों पर आधारित होता है, जिनका वजन और लम्बाई निर्धारित मापदण्ड से कम है। ऐसे पर्याप्त तथ्य हैं जो यह बताते हैं कि भुखमरी का शिक्षण व्यवस्था पर प्रभाव पड़ता है। जो दिमाग सही ढंग से विकसित नहीं हो पाते, उन्हें उचित मूलभूत ढांचे और दिमाग का सही विकास नहीं होने के कारण मूल शिक्षा भी सही ढंग से नहीं मिल पाती।

डब्लूएचओ की एक रिपोर्ट कहती है कि पांच वर्ष से कम आयु के ऐसे 155 मिलियन बच्चे हैं जो अपनी लम्बाई के अनुसार कम वजन के हैं और 50 मिलियन बच्चे अविकसित हैं। अपनी स्थिति और पर्याप्त शारीरिक विकास नहीं होने के कारण वे आठ वर्ष तक पढने की स्थिति में भी नहीं आ पाते। यही कारण है कि भोजन और शिक्षा आपस में एक-दूसरे पर निर्भर हैं और यदि इसका प्रबंधन सही ढंग से नहीं किया गया तो नए भारत के लिए चुनौती बन सकता है। देखा जाए तो कुपोषण कोई ऐसी बीमारी नहीं जिसे कम न किया जा सके। बस हमें इस पर ध्यान देने की जरूरत है। स्कूली बच्चों को जंक फूड के विपरीत प्रभावों से बचाने की बहुत जरूरत है। कुल मिला कर न केवल नीति स्तर पर, बल्कि परिवार में भी बच्चों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए उन्हें कैसा आहार दिया जाता है, इसको ध्यान में रखकर कुपोषण की समस्या को काफी हद तक सीमित किया जा सकता है। यूं भी जो हमारी शिक्षा व्यवस्था है, उसमें कमियां हैं और यह उन बातों पर फोकस नहीं कर रही है कि हमें क्या खाना चाहिए और कितनी मात्रा में खाना चाहिए। चूंकि हमारी समझ और जानकारी किताबों और लेक्चर्स से आती है, ऐसे में भोजन और स्वास्थ्य क्षेत्र से जुड़े पाठयक्रम आज के समय की बहुत बड़ी जरूरत हैं।

संपादक की कलम से

नई संसद में महिला आरक्षण

संसद का 96 साल पुराना भवन अब अतीत हो चुका है। प्रधानमंत्री मोदी और अन्य नेताओं के विदाई संबोधनों के साथ ही पुराने भवन को अलविदा कहकर नए संसद भवन में प्रवेश भी हो चुका है। अब पुराना संसद भवन एक राष्ट्रीय धरोहर, एक लंबा इतिहास, संसदीय संग्रहालय और लोकतंत्र का प्रतिबिम्ब है, जिससे संविधान निर्माताओं, हमारे पुरखों और 7500 से अधिक सांसदों की असंख्य यादें जुड़ी हैं। पुराना सदन उन घटनाओं, बहसों और निर्णयों का साक्षी रहा है, जिन्होंने भारत के लोकतंत्र को एक सुगढ़ आकार और विकास दिया। संसद भवन में वे असंख्य नाद आज भी गूंज रहे हैं, जो अस्पष्ट और अनसुने लग सकते हैं, लेकिन वे अभिव्यक्ति और संवाद की स्वायत्तता के जीवंत प्रमाण हैं। हमने 1997 से 2020 के कोरोना-काल तक लोकसभा की प्रेस दीर्घा में बैठकर संसदीय कार्यवाहियों को साक्षात देखा है, लिहाजा सुना भी है। कई ऐतिहासिक संबोधन भी सुने हैं। देवेगौड़ा और गुजराल सरकारों का एक साल से भी कम समय में पतन देखा है। किसी की निजी और राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं पर सदन और सरकारें काम नहीं कर सकतीं, यह सोच भी सुनी है। अटल बिहारी वाजपेयी सरीखे कद्दावर और निर्णायक प्रधानमंत्री की सरकार मात्र एक वोट से गिरती भी देखी है। उस दिन लोकतंत्र को बिकते भी देखा है, लेकिन लोकतंत्र तो सनातन और शाश्वत है, लिहाजा लौट आया।

हम लोकसभा में परमाणु करार पर राजनीतिक विभाजन के भी साक्षी रहे हैं और डॉ. मनमोहन सिंह की सरकार को गिरते-गिरते बचते भी देखा है। लोकसभा में एक भाजपा सांसद ने नोटों से भरा बैग खोल कर पूरे सदन को स्तब्ध कर दिया था, लिहाजा 'नोट के बदले वोट' के राजनीतिक भ्रष्टाचार को बेनकाब होते भी देखा है। 'प्रश्न के बदले नकदी घूस' के भ्रष्टाचार पर 11 सांसदों की बर्खास्तगी का ऐतिहासिक निर्णय भी सुना है। हम खाद्य सुरक्षा, सूचना का अधिकार, मनरेगा, अनिवार्य निःशुल्क शिक्षा से लेकर अनुच्छेद 370, तीन तलाक, जीएसटी, एक पद-एक पेंशन आदि ऐतिहासिक संशोधनों और कानूनों के पारित किए जाने के भी प्रत्यक्ष साक्षी रहे हैं। हम 13 दिसंबर, 2001 को संसद पर आतंकी हमले के भी चश्मदीद रहे हैं और एक बड़े पत्थर के पीछे छिप कर जान बचाई थी। अब चूंकि मोदी कैबिनेट ने संसद और विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 फीसदी आरक्षण के बिल को स्वीकृति दी है, लिहाजा नए संसद भवन के 'विशेष सत्र' में यह बिल पेश और पारित किया जा सकता है, लेकिन हम स्पष्ट कर दें कि महिला आरक्षण कानून 2029, यानी अगले आम चुनाव, से पहले क्रियान्वित किया जाना संभव नहीं है। संसद के दोनों सदनों में दो-तिहाई बहुमत से बिल पारित होने के बाद यह संवैधानिक बाध्यता और दायित्व भी है कि उसकी राज्यों की 50 फीसदी से अधिक विधानसभाएं भी पुष्टि करें। 10 वर्षीय जनगणना का काम भी 2026 तक जारी रह सकता है।

फिर आरक्षित सीटों के मद्देनजर परिसीमन का काम भी किया जाना है। हम संसद में महिला आरक्षण पर सपा, राजद और जनता दल-यू आदि राजनीतिक दलों का कड़ा विरोध देख चुके हैं। बिल की प्रतिलिपियां तक फाड़ दी गई थीं। जद-यू के शरद यादव तो 'मरने' तक तैयार थे, लेकिन ऐसे बिल का सामाजिक तौर पर विरोध कर रहे थे। बहरहाल आज मुलायम सिंह यादव, शरद यादव सरीखे विरोधी नेता 'दिवंगत' हो चुके हैं। बेशक मौजूदा परिदृश्य में यह सब कुछ संभव न हो, क्योंकि लोकसभा में तो भाजपा का प्रचंड बहुमत है, लेकिन 180 महिला सांसदों का निर्वाचन और आरक्षण किया जाना है, तो एक निश्चित प्रक्रिया अनिवार्य है। उसमें वक्त लगेगा। फिलहाल लोकसभा में 78 और राज्यसभा में 29 महिला सांसद हैं। यह अनुपात क्रमशः 14.4 और 12 फीसदी है, जबकि रवांडा जैसे गरीब, पिछड़े मुल्क में महिलाओं का प्रतिनिधित्व 61 फीसदी से भी ज्यादा है। संभवतः यह भी प्रावधान किया जा रहा है कि अनुसूचित जाति, जनजाति के लिए जो संसदीय सीटें आरक्षित हैं, उनकी कुल संख्या में से एक-तिहाई को उन्हीं समूहों की महिलाओं के लिए आरक्षित किया जा सकता है। जब बिल संसद में पेश किया जाएगा, तो तस्वीर बिल्कुल साफ होगी।

राय

आपदा का हिसाब

अभी कुछ दिन ही हुए कि जब हिमाचल प्राकृतिक आपदा के हर दृष्टांत में निरीह, लाचार और सदी के सबसे भीषण दंश झेल रहा था, लेकिन अब प्रदेश विधानसभा में तो हो-हल्ले का शगल हम मना सकते हैं। फटते बादलों से कहीं अधिक राजनीतिक बादलों का फटना और लोकतंत्र को चारदीवारी मानकर सत्ता और विपक्ष में एक-दूसरे को पीछे धकेलने का मतलब यह क्यों न माना जाए कि जनता की त्रासदी में भी यहां आपस में हिसाब हो रहा है। वॉकआउट की पेशकश में क्या आपदा का असर कम हो गया। जाहिर है आपदा में भी हमें दो हिमाचल नxार आए। एक ने सरकार से गुजारिश की तो दूसरे ने सरकार को ही खींचा। इस विभाजक रेखा से परे आपदा सिर्फ आंसुओं की कहानी नहीं, राहत के इंतजाम का पैगाम भी है। आपदा के बाद प्रदेश सरकार ने क्या और किस तरह किया या आगे क्या कार्ययोजना है, इसका विश्लेषण करने का लोकतांत्रिक अधिकार विपक्ष के पास है। दूसरी ओर केंद्र सरकार हिमाचल में हुई आपदा को लेकर किस कद्र संवेदनशील व तत्पर हुई, यह हिमाचल की टूटी-फूटी तस्वीर और पहाड़ी संवेदना पूछ रही है। आपदा का हिसाब, सियासी आपदा नहीं और न ही ऐसे टकराव से जनता की आहत भावनाओं को अमृत मिलेगा। पहले से ही झुलसे हिमाचली अगर विधानसभा के मानसून सत्र को बहिष्कारों में जाया होते देखेंगे, तो यह जख्मों पर नमक उंडेलने का सबब ही होगा।

जहां तेरह हजार मकान क्षतिग्रस्त हों और विकास के सारे रास्ते खंडित हों, वहां बहस तो यह होनी चाहिए कि आखिर इसे राष्ट्रीय आपदा घोषित होने के लिए हिमाचल को किस हद तक मरना होगा। क्या हमारे जख्म इस लायक भी नहीं कि केंद्र इन्हें भुज के भूकंप और अमरनाथ की त्रासदी के आसपास महसूस करे। बहरहाल, आपदा के खेल में सियासत के पास वह सब कुछ है, जो प्रभावित परिवारों को मिलने की उम्मीद नहीं। जाहिर है आम जनता को हर तरह की आपदा में जीना आ गया है। आपदा तो राजस्व रिकार्ड के हर नुक्ते पर सवार रहती है, जब किसी ग्रामीण को अपनी जमीन के मामले में पटवारी से तहसीलदार तक हाजिरी लगाकर लगातार पता चलता है कि देश की कार्य संस्कृति किस तरह अनुपस्थित रहने की बुनियाद पर चल रही है। किसी बीमार व्यक्ति के उपचार के चारों तरफ आपदाएं किस तरह हर क्षण को गंभीर, अनिश्चित व अनिर्णायक करती हैं। ऐसे में सोचना या गौर यह फरमाना होगा कि बीमारी की आपदा इसलिए दिखाई दी कि सरकारी अस्पताल फेल हुआ या इसलिए कि निजी अस्पताल अब पड़ोस में खुल गया है।

कभी किसी सडक़ पर यूं ही निकल जाना और देखना कि हमारी क्रय शक्ति ने लाखों वाहन चला कर आपदा पैदा कर दी या परिवहन का यही दस्तूर हमारी आपदा बनी रहेगी। क्या हम अपनी पंचायत के प्रतिनिधि चुनकर आपदाग्रस्त हुए या विधानसभा के लिए एक अदद एमएलए पाकर अपनी आपदाओं से मुक्त हुए। हैरानी यह कि सदन के भीतर और सदन के बाहर अंततः आपदाग्रस्त तो वो मतदाता है, जो लोकतंत्र की कतार में खड़ा होकर भी अपने प्रश्नों का उत्तर पाने में सबसे पीछे है। ऐसे में आश्चर्य यह कि प्राकृतिक आपदा के दौरान आई तमाम दरारों से कहीं गहरी, स्थायी व अकल्पनीय दरारें लेकर वर्तमान राजनीति चलती है। इनके लिए बहस के शुभ मुहूर्त के लिए बस एक दरार चाहिए और इसीलिए प्रकृति के विध्वंस में सियासत ने चुन लीं अपने वर्चस्व के लिए कुछ दरारें।

गुलेरी साहित्य के पुरोधा डा. मनोहर लाल

वह जीवन में एक यात्री था, जो अपने थैले में अपना गमछा, परना और एक-दो कपड़े डाल कर निकल पड़ता था और जहां ठहरता, अपने कपड़े स्वयं धो लेता। भारी-भरकम सामान उठाना उसे प्रिय नहीं था। वह एक अद्भुत, हर पल को जी लेने के लिए लालायित जीव था'

आज भी मुझे याद है, अपने पत्र में डा. मनोहर लाल ने लिखा था- मुझे लगता है दैनिक हिंदुस्तान के रविवारीय परिशिष्ट में छोड़ा हुआ 'सांप' आपका ही है। सांप शीर्षक से मेरी एक कहानी हिंदुस्तान में छपी थी, लेकिन नाम के साथ 'फुल्ल' नहीं छपा था। मनोहर लाल भाषा एवं तेवर से ही पहचान लेता था कि रचना किसकी है और फिर कटिंग के इर्द-गिर्द वह अपने कमेंट्स भी बराबर लिख देता था और डाक से भेज देता। आज यह संस्कृति विलुप्त हो गई है और अपने बारे में ही सुनना-लिखना जानते हैं। शायद आज का समय ही स्वार्थ एवं अपने ही प्रचार-प्रसार का है। लेकिन वह बिल्कुल ऐसा नहीं था। एकदम स्पष्ट और खुलकर अपनी प्रतिक्रिया देने वाला। हिमाचल के एक छोटे से गांव बड़ेट, धर्मसाल महंता, जिला ऊना में 20 सितंबर, 1948 को एक साधारण ब्राह्मण परिवार में जन्में डा. मनोहर लाल यदि आज जीवित होते, तो परिवार एवं मित्रों संग छिहत्तरवीं वर्षगांठ मना रहे होते, परंतु यह विधि को मंजूर नहीं था। वह महानगर दिल्ली में थे और अपने घरबार और अपने लेखन को जमाने के लिए सरपट दौड़ रहे थे।

कहते हैं न कि जो लोग सरपट दौड़ते हैं, कभी-कभी उनकी दौड़ अचानक रुक जाती है। ऐसा ही लाल गुलाब से दहकते-चमकते मेरे मित्र डा. मनोहर लाल के साथ हुआ। अचानक फेफड़ों के रोग ने उन्हें दबोच लिया और 10 जनवरी 1997 को उन्होंने संसार त्याग दिया, लेकिन अपनी मृत्यु से पूर्व 25 नवंबर, 1996 को उन्होंने अपनी पुत्री भावना, जो आजकल अमरीका में है, का कन्यादान कर सुख की सांस ली। उनकी धर्मपत्नी प्रेमलता वात्स्यायन अपने बेटे संकल्प, पुत्रवधू कावेरी एवं अपनी पौत्री मीमांसा के साथ रोहिणी की कांगड़ा कालोनी में उस घर में रहती हैं जो डा. मनोहर लाल ने गुलेरी साहित्यालोक पुस्तक से प्राप्त पैंतालीस हजार रुपए की रायल्टी से बनाना शुरू किया था। एक बार उनके हाथ में कोई सूत्र आ जाता तो वह उसे छोड़ते नहीं थे। उसके संधान में लग जाते और उसे परिणति तक पहुंचा देते। उन्होंने घनानंद पर अपनी एम. फिल की थी और फिर दिल्ली विश्वविद्यालय से पीएचडी भी। वह श्रीराम कालेज आफ कामर्स में हिंदी के प्रवक्ता थे। उनके पिता जो सन्1964 में दिल्ली आ गए थे, बहुत सम्पन्न नहीं थे, परंतु दिल्ली के दरियागंज में खोमचा लगाकर परिवार का भरण-पोषण कर रहे थे। डा. मनोहर लाल के कालेज में पहुंचने पर स्थितियां कुछ सुधर रही थीं। डा. लाल का प्रेमलता वात्स्यायन से विवाह जुलाई 1973 में हुआ। लेखन में उन्हें प्रवृत्त किया उनके श्वसुर बाल साहित्य के धुरंधर विद्वान श्री संत राम वत्स्य जी ने। सन्1971 में किशोरी लाल वैद्य के सम्पादन में हिमाचल के सत्रह कहानीकारों की कहानियां एक कथा परिवेश शीर्षक से प्रकाशित हुई थीं। वत्स्य जी ने डा. मनोहर लाल से इस पुस्तक की समीक्षा लिखवाई जो हिमप्रस्थ में प्रकाशित हुई। इसके बाद तो डा. लाल का लेखन उड़ान पकडने लगा। छोटे-छोटे विषयों पर लेख लिखना उनकी धुन बन गई। ऐसे विषयों पर भी उन्होंने लिखा- कूड़े से करोड़ों, गर्भवती की देखभाल कैसे करें, बच्चों के लिए कैसे लिखें। हिंदी के सभी समाचारपत्रों में उन्होंने छपना शुरू किया तो फिर पीछे मुड़ कर नहीं देखा। सांध्य टाइम्स में भी उन्होंने खूब लिखा। सन्1983 गुलेरी

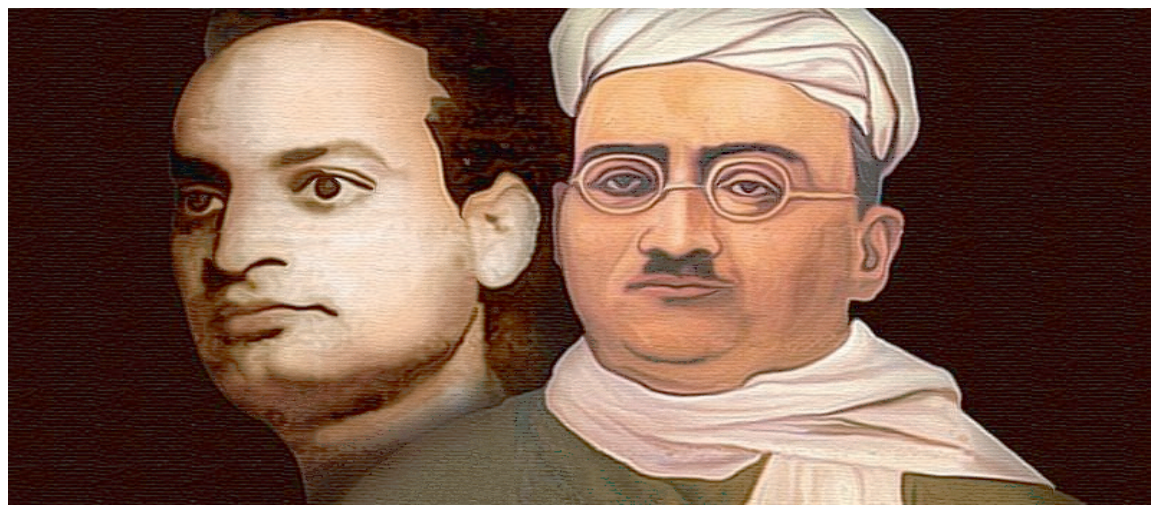

जन्म शती वर्ष था। ज्यों ही गुलेरी उनके मन में कौंधा, उन्होंने गुलेरी से सम्बन्धित प्रकाशित-अप्रकाशित साहित्य की खोज खबर शुरू कर दी। उन्हें पता था कि गुलेरी जन्म शती वर्ष में सभी पत्र-पत्रिकाएं विशेषांक निकालेंगी और ऐसा कुछ पत्र-पत्रिकाओं एवं सरकारों ने घोषित भी कर दिया था।

सब जानते थे कि गुलेरी पर डा. पीयूष गुलेरी ने कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय से पीएचडी की उपाधि अर्जित कर रखी थी और यह शोध प्रबंध 1984 में ऋषभचरण जैन एवं संतति से प्रकाशित हुआ। इसका अपना स्थान है। लेकिन डा. गुलेरी ने गुलेर, जयपुर और काशी जाकर चन्द्रधर शर्मा गुलेरी के बारे में अछूती सामग्री का संचय किया और छोटे-छोटे लेख लिखे, जैसे गुलेरी के पूर्वज सांप के काटे का उपचार करते थे, गुलेरी ने तीन नहीं चार कहानियां लिखी थीं, गुलेरी की चौथी कहानी 'हीरे का हीरा' भी है। डा. मनोहर लाल ने पहली पुस्तक 'गुलेरी साहित्यालोक' सम्पादित की जिसमें गुलेरी के विभिन्न साहित्यिक पक्षों पर अलग-अलग विद्वानों के लेख संकलित थे और भूमिका में अनेक नए प्रश्न उठाए गए थे। गुलेरी की कहानी कला पर सात लेख लिए गए, जिनमें मेरा वह लेख जो सारिका में 'गुलेरी का कहानी संसार' शीर्षक से छपा था, भी संकलित किया गया। भले ही इस लेख में मैंने सिद्ध किया था कि गुलेरी कहानीकार नहीं थे और न ही कवि थे। यह पुस्तक चर्चित हुई और डा. मनोहर लाल ने फिर गुलेरी ही की चार सुसम्पादित कहानियां, पुरानी हिंदी तथा अन्य रचनाएं आदि अनेक महत्वपूर्ण पुस्तकें प्रकाशित कीं। पुस्तकों से भी अधिक उन्होंने गुलेरी साहित्य के विभिन्न पक्षों पर भारत भर की पत्र-पत्रिकाओं में गुलेरी से संबंधित पक्षों पर लेख लिखे और वह गुलेरी साहित्य के उद्भट विद्वान के रूप में जाने जाने लगे। उन्होंने व्यंग्य भी लिखे।

'मेरी मकान मालकिनें' ऐसी ही पुस्तक है। ललित निबंध भी लिखे। माटी मेरे गांव की ललित निबंधों की पुस्तक पर उन्हें हिमाचल अकादमी का पुरस्कार मिला और चन्द्रधर शर्मा गुलेरी पुरस्कार भी मिला। वह बहुत दमदार लेखक था, मित्रों का बेहद प्यारा मित्र था। विरोधियों को या जलने वाले लोगों को चौंकाता भी था। उसके कालेज के सहयोगी उसका ज्यादा नोटिस नहीं लेते थे। उन्हीं दिनों मैंने दि इडियन एक्सप्रेस में लेख लिखा था : गुलेरी स्कालर डा. मनोहर लाल। डा. लाल ने उस लेख की कटिंग कालेज के नोटिस बोर्ड पर चिपका दी और जब आलोचकों का मुंह बंद हुआ तो डा. लाल खिलखिला उठा। वह जीवन में एक यात्री था, जो अपने थैले में अपना गमछा, परना और एक-दो कपड़े डाल कर निकल पड़ता था और जहां ठहरता, अपने कपड़े स्वयं धो लेता। भारी-भरकम सामान उठाना उसे प्रिय नहीं था। बहरहाल मैं कह सकता हूं कि वह एक अद्भुत, अजूबा, हर पल को जी लेने के लिए लालायित जीव था। शत-शत नमन मेरे दोस्त।

डा. सुशील कुमार फुल्ल

एक हिंदी लवर को मासिक हिंदी धर्म

हिंदी में लिखने वालों का विकास जहां का तहां रुका हुआ हो तो रुका रहे, हिंदी में लिखने वालों पर संकट के घोर बादल और घनघोर हो गए हों तो होते रहें, पर हिंदी का सचमुच विकास हो रहा है। बजट फाड़ कर विकास हो रहा है। मीडिया से लेकर सोशल मीडिया तक सभी अपने अपने मनमाने तरीके से हिंदी धमाकेदार विकास करने में लुटे जुटे हैं। अंग्रेजी में सरकारी पत्र व्यवहार करने वाले हिंदियों द्वारा राजभाषा हिंदी पुरस्कार धड़ाधड़ झपटे जा रहे हैं। जिसका जैसे मन कर रहा है, वह वैसे हिंदी से खेल रहा है, जिसका जैसे तन कर रहा है, वह हिंदी वैसे पेल रहा है। और जो मजबूरी का निष्काम हिंदी प्रेमी है, वह हिंदी पर निरंतर होते हमले अपने ऊपर झेल रहा है। जनाब! गम नॉट! हिंदी का विकास पुरजोर हो रहा है, शोरों शोर हो रहा है। हिंदी के मासिक विकास के बजट के लिए कोई कमी नहीं। हिंदी को दारू से महीना भर जितना मर्जी नहलाओ। वैष्णव हिंदी को भोग लगाकर जितना मर्जी जो खाओ। पर, बस हर हाल में हिंदी मास मनाओ। मेरे बचपन के दिनों में खींचखांच कर हिंदी सप्ताह मनाया जाता था। शायद तब हिंदी की दशा आज जितनी दयनीय नहीं थी। इसलिए हिंदी के उत्थान के लिए बजट शजट भी कम ही होता था। बजट का किसी और से सीधा संबंध हो या न, पर रस्म पगड़ी से लेकर उनके शपथ समारोह के कार्यक्रम तक से सीधा संबंध होता है।

जो बाप अपनी रस्म पगड़ी के लिए अनुमानित महंगाई इंडेक्स के हिसाब से जोड़ छोड़.कर नहीं जाता, जिंदा जी तो उसकी पगड़ी यहां वहां उछलती ही रहती है, पर रस्म पगड़ी में भी उसकी पगड़ी उछलते देर नहीं लगती। तब हफ्ते भर हिंदी को मनाने, बहलाने, खाने, खिलाने से सारा साल काम मजे से चल जाता था। हिंदी प्रेमियों के पेट की च्वाइस भी ज्यादा नहीं होती थी। अधिकतर गैर सरकारी हिंदी प्रेमी वैष्णव होते थे। एकाध नॉनवेज होता था तो वह अधिकारियों के साथ चल जाता था। अब रही बात आयोजन के सरकारी आयोजकों की! वे तो हर समय में नॉनवेज ही रहे हैं। वे तिल के बिल बनाना अच्छी तरह जो जानते थे, जानते हैं। जब हिंदी के बजटीय शुभचिंतकों को लगा कि हिंदी साल दर साल खतरे में पड़ती जा रही है, हिंदी की रक्षा के लिए बजट का प्रावधान कुछ अधिक होना शुरू हुआ। हिंदी सप्ताह की जगह हिंदी पखवाड़े ने ले ली। अधिक बजट होने से हिंदी के प्रति चिंता अधिक होना लाजिमी था। जिसके लिए बजट जितना अधिक, उस पर उतनी अधिक चिंता करना सबसे बड़ी नैतिक ईमानदारी। यह बजट ईमानदारी से खाने वालों का सर्वकालिक सिद्धांत है। हर नियम को चुनौती दी जा सकती है, पर इस नियम को नहीं। कम बजट में बजट से अधिक चिंतन मनन कोई करके दिखाए तो उसके जूते पानी पिऊं।

अब जनाब! हिंदी को मनाने के लिए बजट का प्रावधान और बढ़ा तो हिंदी पर चिंतन पाक्षिक से मासिक हो गया। महीना भर जब मन करे, हिंदी दिवस मनाओ! जिसे मन करे, उसे खिलाओ। जिसे मन करे, हिंदी प्रेमी के नाम पर मंच से उससे जो वह चाहे बकवाओ। पूरा महीना हिंदी मास मानने के बाद भी जिसे शिकायत रहे कि उसने हिंदी मां के चरणों का सोमरस नहीं पिया, उसने हिंदी के नाम पर कुछ नहीं किया। हे ऐसे वैसे, जैसे तैसे मासिक हिंदी प्रेमियो! मैं भी आजकल हिंदी के सूखते तालाब में नाक पकड़ डुबकियां लगा हिंदी के ऋण से उऋण हो रहा हूं। मां बाप के ऋण से उऋण नहीं हुआ तो क्या! सितंबर महीने अंग्रेजी तक हिंदीमय हो और मैं हिंदीमय न होऊं, यह कैसे हो सकता है भला? उनकी हिंदी छाल छाल तो मुझ अंग्रेजी की देशी वर्जन की हिंदी पात पात। सो मैं देशी अंग्रेज इन दिनों ठेठ हिंदीमय चल रहा हूं। अहा! मेरा मन तन सब हिंदीमय हुआ जा रहा है। इन दिनों मेरे मुख से ऐसे ऐसे भयंकर हिंदी के शब्द निकल रहे हैं कि हिंदी भी उनको सुनकर मलंग हुई जा रही है। इन दिनों मेरे मुख से निकले हिंदी के शब्दों को आचार्य रामचंद्र शुक्ल सुन लें तो दांतों तले उंगली दबा लें। इन दिनों हजारी प्रसाद द्विवेदी मेरे तन के हिंदीमय हाव भाव देख लें तो वे पसीना पसीना हो जाएं। हिंदी के कल्याणार्थ आजकल मैं बिन थके हिंदी के हर तरह के हर कार्यक्रम में पूरी शिद्दत से शिरकत कर रहा हूं।

डॉलर के मुकाबले रुपये में तेजी, 10 पैसे की हुई बढ़त

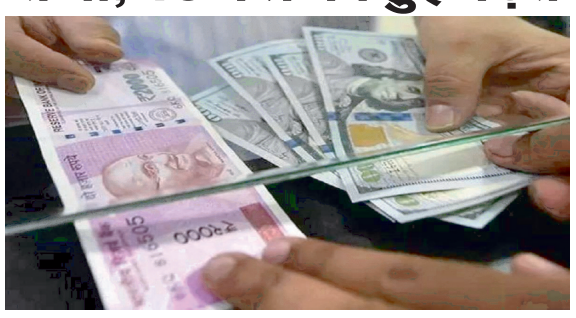

डॉलर के मुकाबले रुपये में आज के कारोबारी सत्र में बढ़त देखी जा रही है। फॉरेक्स ट्रेडर्स का मानना है कि डॉलर में नरमी और बाजार में सकारात्मक रुझान होने के कारण रुपये में तेजी है। डॉलर इंडेक्स में मामूली गिरावट हुई है और यह 104 .55 अंक पर बना हुआ है।

नई दिल्ली। डॉलर के मुकाबले रुपये में मंगलवार को तेजी देखने को मिल रही है। इस वजह से डॉलर के मुकाबले रुपये शुरुआती कारोबार में ही 10 पैसे चढ़कर 82.93 के स्तर पर पहुंच गया। रुपये में तेजी का कारण शेयर में तेजी का रुझान और विदेशी निवेशकों की ओर से भारत में निवेश कर है।

फॉरेक्स ट्रेडर्स की ओर से कहा गया कि डॉलर में नरमी और बाजार में सकारात्मक रुझान होने के कारण रुपये में तेजी है। हालांकि, वैश्विक अर्थव्यवस्था में धीमापन और अमेरिकी फेड की ओर से ब्याज दरों को बढ़ाने की चिंता के कारण डॉलर के मुकाबले रुपया सीमित दायरे में कारोबार कर रहा है।

डॉलर के मुकाबले रुपये में कारोबार

इंटरबैंक फॉरेक्स एक्सचेंज के मुताबिक, डॉलर के मुकाबले रुपया 82.93 के स्तर पर 10 पैसे की तेजी के साथ खुला। सोमवार को रुपया 83.03 पर सपाट बंद हुआ है।

मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज के फॉरेक्स और बुलियन विश्लेषक गौरांग सोमैया ने कहा कि हमें उम्मीद है कि डॉलर के मुकाबले रुपया एक सीमित दायरे में रहेगा और 82.80 से लेकर 83.20 के बीच कारोबार करेगा।

डॉलर इंडेक्स में गिरावट

अमेरिकी मुद्रा की दुनिया की छह सबसे बड़ी करेंसी के मुकाबले स्थिति दर्शाने वाला डॉलर इंडेक्स 0.02 प्रतिशत की हल्की गिरावट के साथ 104.55 अंक पर बना हुआ है। कच्चे तेल का बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड 0.39 प्रतिशत बढ़कर 90.99 डॉलर प्रति बैरल पर बना हुआ है।

शेयर बाजार में कारोबार

बाजार खुला तो तेजी के साथ था, लेकिन बाद में इसमें गिरावट आ गई। खबर लिखे जाने तक निफ्टी 55.15 अंक या 0.28 प्रतिशत की गिरावट के साथ 19,940.70 अंक और सेंसेक्स 110.90 अंक या 0.17 प्रतिशत की गिरावट के साथ 67,016.17 अंक पर है।

सितंबर में कम रह सकती है महंगाई दर, फिलहाल पेट्रोल-डीजल की कीमतों में राहत मिलने की उम्मीद

आरबीआई को उम्मीद है कि आपूर्ति श्रृंखला में सुधार के कारण सितंबर में खुदरा मुद्रास्फीति काफी कम हो जाएगी। अगस्त में खुदरा महंगाई दर 6.83 फीसदी थी लेकिन जुलाई में बढ़कर 15 महीने के उच्चतम स्तर 7.44 फीसदी पर पहुंच गई। मुख्य रूप से सब्जियों की कीमतों में भारी बढ़ोतरी के कारण खुदरा महंगाई दर बढ़ी है। पढ़िए क्या है पूरी खबर।

नई दिल्ली, आरबीआई का कहना है कि सप्लाई चेन दुरूस्त होने से सितंबर की खुदरा महंगाई दर में खासी कमी आ सकती है। अगस्त में खुदरा महंगाई दर 6.83 प्रतिशत थी जबकि जुलाई में यह दर 15 महीने के उच्चतम स्तर के साथ 7.44 प्रतिशत पर पहुंच गई थी।

इस वजह से महंगाई दर में हो रही थी बढ़ोतरी

मुख्य रूप से सब्जी के दाम में भारी बढ़ोतरी से खुदरा महंगाई दर में बढ़ोतरी हो रही थी। आरबीआई का अनुमान है कि सितंबर में खुदरा महंगाई दर अगस्त से कम रहेगी। क्योंकि टमाटर, प्याज व आलू के दाम में अगस्त माह की तुलना में गिरावट दिख रही है।

कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों से चिंतित आरबीआई

दूसरी तरफ आरबीआई के मासिक बुलेटिन में कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों को लेकर भी चिंता जाहिर की गई है।मंगलवार को ब्रेंट क्रूड की कीमत 95 डॉलर प्रति बैरल को पार कर गई जो कि पिछले साल नवंबर के बाद सबसे अधिक कीमत है और यह कीमत 100 डॉलर प्रति बैरल तक जाने की आशंका है।

सऊदी अरब और रूस की तरफ से कच्चे तेल के उत्पादन में कटौती के फैसले से कच्चे तेल की कीमत बढ़ रही है। भारत में भी इसका असर पेट्रोलियम कंपनियों पर दिखने लगा है।

सूत्रों के मुताबिक पेट्रोलियम कंपनियों का घाटे का स्तर लगातार बढ़ता जा रहा है। हालांकि फिलहाल उनकी तरफ से पेट्रोल-डीजल की खुदरा कीमत में कोई बदलाव नहीं किया गया है।

पिछले महीने कम थी कच्चे तेल की कीमत

पिछले महीने तक कच्चे तेल की कीमतों को 75-80 डॉलर प्रति बैरल के आसपास देखते हुए पेट्रोलियम कंपनियों की तरफ से पेट्रोल-डीजल की खुदरा कीमतों में राहत देने का अनुमान लगाया जा रहा था। क्योंकि पिछले साल नवंबर के बाद से कच्चे तेल के दाम लगातार कम हो रहे थे।

दूसरी तरफ भारत रूस से काफी कम कीमत पर भारी मात्रा में कच्चे तेल की भी खरीदारी की थी।कच्चे तेल के दाम में हो रही तेजी से वैश्विक स्तर पर महंगाई और बढ़ने की आशंका पैदा हो गई है। विशेषज्ञों के मुताबिक रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद से यूरोपीय देश पहले से ही ऊर्जा संकट झेल रहे हैं। वैश्विक महंगाई बढ़ने पर भारत का निर्यात प्रभावित होगा क्योंकि प्रभावित देशों में महंगाई की वजह से वस्तुओं की मांग में गिरावट आएगी।

इनसाइड

ल या इथेनॉल के साथ मिलाकर तैयार किया जाता है। इस तरह के फ्यूल से पेट्रोल का इस्तेमाल कम होता है। जिससे कॉस्ट कटिंग में मदद मिलेगी। इस समय दुनिया के कई देशों में फ्लेक्स फ्यूल इंजन काफी लोकप्रिय है। भारत एथेनाल का पांचवा सबसे बड़ा उत्पादक है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, सरकार अब पेट्रोल में 20 फीसदी वाले एथेनाल मिक्स को 2025 तक देशभर में उपलब्ध कराने वाली है। इसी वजह से फ्लेक्स फ्यूल में एथेनाल को ज्यादा से ज्यादा बढ़ावा दिया जा रहा है, जिससे भारत में पेट्रोल और डीजल के इंपोर्ट को कम किया जा सके। बता दें कि फ्लेक्स फ्यूल वाली गाड़ियां 100 फीसदी पेट्रोल या 10 फीसदी बायो-एथेनाल व उनके ब्लेंड्स की मदद से चलती हैं। अब देश की पहली ऐसी कार टोयोटा मोटर की ओर से पेश कर दी गई है जो पूरी तरह से वैकल्पिक ईंधन इथेनॉल पर चल सकती है। इसे आज केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी की अध्यक्षता में एक कार्यक्रम में आधिकारिक तौर पर लॉन्च किया गया है। बता दें कि जैव ईंधन या वैकल्पिक स्वच्छ ईंधन के लिए भारत के प्रयास ने पिछले साल रफ्तार पकड़ी है। केंद्र ने 20 प्रतिशत इथेनॉल के साथ मिश्रित पेट्रोल को बाजार में उतारा है। फ्लेक्स फ्यूल या वैकल्पिक ईंधन से सरकार को कच्चे तेल के महंगे आयात को कम करने में मदद मिलेगी। इस फ्लेक्स फ्यूल की शुरुआत का मकसद प्रदूषण को कम करना भी है। बता दें कि फ्लेक्स फ्यूल की तकनीक नई नहीं है। इसे 1990 के दशक की शुरुआत में विकसित किया गया था। एक्सपर्ट्स के मुताबिक, फ्लेक्स फ्यूल से कुछ फायदे तो कुछ नुकसान भी हैं। इसका सबसे बड़ा फायदा यह है कि इससे कार्बन का उत्सर्जन कम होता है। इसके चलते प्रदूषण कम होता है। इसी के साथ फ्यूल का खर्च कम होता है और इंजन लंबे

निवेशकों के लिए यात्रा ऑनलाइन इस दिन से खोल रही है अपना आईपीओ, जानिए कितना है प्राइस बैंड और ऑफर

नई दिल्ली। फ्लाइट टिकट, होटल, बस और हॉलीडे पैकेज की ऑनलाइन सुविधा देने वाली ऑनलाइन ट्रैवल कंपनी यात्रा ऑनलाइन (Yatra Online) ने आज अपने इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग (आईपीओ) के तिथि की घोषणा कर दी।

इसके अलावा कंपनी ने अपने आईपीओ का प्राइस बैंड भी सेट कर दिया है। आपको बता दें कि कंपनी ने प्राइस बैंड की अधिकतम सीमा 150 रुपये के नीचे रखी है। आईपीओ के बाद कंपनी के शेयर बीएसई और एनएसई पर लिस्ट होंगे।

कब खुला रहा है ऑफर ?

आपको बता दें कि कंपनी का आईपीओ ऑफर 15 सितंबर को खुल रहा है जो 20 सितंबर के कारोबारी समय के खत्म होने के बाद बंद हो जाएगा। कंपनी ने इस आईपीओ का प्राइस बैंड 135-142 रुपये प्रति इक्विटी शेयर तय किया है।

कंपनी ने कहा, निवेशक न्यूनतम 105 इक्विटी शेयरों के लिए और उसके बाद 105 इक्विटी शेयरों के गुणकों में बोली लगा सकते हैं।

कितना है फैश इश्यू ?

आईपीओ में 602 करोड़ रुपये के फ्रैश इश्यू और 12,183,099 शेयरों की बिक्री के लिए कंपनी ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) जारी करेगी। प्राइस बैंड की उपरी सीमा के आधार पर देखें तो कंपनी इस आईपीओ से 775 करोड़ रुपये जुटाने का प्रयास कर रही है।

कंपनी कहां करेगी पैसे का इस्तेमाल ?

यात्रा ऑनलाइन के सीईओ ध्रुव श्रृंगी ने कहा कि

फ्रैश इश्यू से प्राप्त आय का उपयोग रणनीतिक निवेश, अधिग्रहण और इनऑर्गेनिक विकास के लिए 150 करोड़ रुपये तक किया जाएगा।

सीईओ ध्रुव श्रृंगी ने यहा भी कहा कि आईपीओ का एक और महत्वपूर्ण हिस्सा, ग्राहक अधिग्रहण और प्रतिधारण, प्रौद्योगिकी और अन्य जैविक विकास पहल और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों में निवेश के लिए 392 करोड़ रुपये का उपयोग किया जाएगा।

कौन है आईपीओ का लीड मैनेजर ?

आपको बता दें कि एसबीआई कैपिटल मार्केट्स, डीएएम कैपिटल एडवाइजर्स और आईआईएफएल सिक्योरिटीज इस आईपीओ के बुक रनिंग लीड मैनेजर हैं और लिंक इनटाइम इंडिया ऑफर के रजिस्ट्रार हैं।

निवेशकों के लिए Yatra Online इस दिन से खोल रही है अपना IPO, जानिए कितना है प्राइस बैंड और ऑफर साइज

ऑनलाइन ट्रैवल कंपनी यात्रा ऑनलाइन ने आज अपने आईपीओ की घोषणा की। कंपनी ने आईपीओ के लिए मूल्य सीमा भी निर्धारित की है। आईपीओ के बाद इस कंपनी के शेयर बीएसई और एनएसई पर लिस्ट होंगे। आपको बता दें कि कंपनी ने इस आईपीओ का हाईअर प्राइस बैंड 150 रुपये के नीचे रखा है। पढ़िए क्या है ऑफर और पूरी खबर।

आईपीओ के बाद कंपनी के शेयर बीएसई और एनएसई पर लिस्ट होंगे।

फ्लाइट टिकट, होटल, बस और हॉलीडे पैकेज की ऑनलाइन सुविधा देने वाली ऑनलाइन ट्रैवल कंपनी यात्रा ऑनलाइन (Yatra Online) ने आज अपने इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग (आईपीओ) के तिथि की घोषणा कर दी।

इसके अलावा कंपनी ने अपने आईपीओ का प्राइस बैंड भी सेट कर दिया है। आपको बता दें कि कंपनी ने प्राइस बैंड की अधिकतम सीमा 150 रुपये के नीचे रखी है। आईपीओ के बाद कंपनी के शेयर बीएसई और एनएसई पर लिस्ट होंगे।

म्यूचुअल फंड में सिप या लंपसंप क्या है निवेश करने का सही तरीका, समझें दोनों के फायदे और नुकसान

Mutual Funds में एसआईपी या लंपसम कैसे निवेश करना चाहिए। इसके लेकर निवेशकों के मन में कन्फ्यूजन बना रहता है। निवेशक को किसी भी स्कीम का चुनाव करने के पहले अपनी निवेश अवधि को चुनना चाहिए। एसआईपी के जरिए निवेश से बाजार के सभी टाइमफ्रेम का फायदा निवेशक को मिल जाता है। लंपसम में आप बाजार की गिरावट का फायदा उठा सकते हैं।

नई दिल्ली। आज के समय में निवेश के काफी सारे विकल्प हैं, जिसमें म्यूचुअल फंड काफी पॉपुलर है। इसमें कोई भी व्यक्ति लंपसम और एसआईपी के जरिए निवेश कर सकता है, लेकिन लोगों के मन में एक सवाल ये आता है कि दोनों में से सबसे बेहतर विकल्प कौन-सा है। एसआईपी और लंपसम दोनों के अपने-अपने फायदे और नुकसान हैं।

SIP के जरिए निवेश फायदे

एसआईपी के जरिए निवेश करने का सबसे बड़ा फायदा यह है कि इसमें बाजार के सभी टाइमफ्रेम का फायदा निवेशक को मिल जाता है। ये एक तरह से ईएमआई की तरह से होता है। हर महीने एक किस्त के रूप में निर्धारित राशि म्यूचुअल फंड स्कीम में निवेश कर दी जाती है। लंबी अवधि में निवेश के लिए एसआईपी एक अच्छा विकल्प है। इससे लॉन्ग टर्म कंपाउंडिंग का फायदा भी मिलता है।

नुकसान

एसआईपी केवल लंबी अवधि के निवेश के लिए अधिक प्रभावी होता है। म्युचूअल फंड स्कीम में एक निश्चित तारीख को ही एसआईपी जाती है। कई बार देरी होने पर जुर्माना आदि भी भरना पड़ता है। ज्यादातर देखा गया है कि एसआईपी केवल फिक्स इनकम वाले लोगों के लिए अच्छी रहती है।

Lumpsum निवेश फायदे

लंपसम निवेश का एक बड़ा फायदा यह होता है कि आप बाजार की परिस्थिति के मुताबिक निवेश कर सकते हैं। इसमें आप शॉर्ट टर्म में मुनाफा कमाने के लिए उपयोग कर सकते हैं। अगर आप लंबी अवधि के लिए एक बड़ा निवेश करना चाहते हैं और आपकी आय अस्थिर है तो भी लंपसम एक अच्छा तरीका हो सकता है।

उदाहरण के लिए कोरोना के समय जब बाजार में बड़ी गिरावट आई तो म्युचूअल फंड में एसआईपी के जरिए निवेश एक अच्छा मौका था।

नुकसान

लंपसम में निवेश करने का नुकसान यह है कि आप बाजार के सभी टाइमफ्रेम का लाभ नहीं उठा पाते हैं। इसका असर आपके रिटर्न पर पड़ता है।

यशो भूमि में अगले 2 साल में होंगे 200 से भी ज्यादा इवेंट्स, एमआईसीई इंडस्ट्री में दोगुनी बढ़ोतरी की उम्मीद

देश के सबसे बड़े सम्मेलन केंद्र यशोभूमि में अगले दो वर्षों के लिए 200 से अधिक प्रदर्शनियों और सम्मेलनों की योजना बनाई गई है। प्रधानमंत्री मोदी ने 17 सितंबर को अपने जन्मदिन पर दिल्ली के द्वारका में इसका उद्घाटन किया था। वर्तमान में कम कार्यक्रम आयोजित होने की संख्या के कारण भारत का स्थान 28वां है। पढ़िए क्या है पूरी खबर।

नई दिल्ली। देश के सबसे बड़े कन्वेंशन सेंटर यशोभूमि (Yashobhoomi) में अगले 2 साल में 200 से अधिक प्रदर्शनियों और सम्मेलनों की योजना बनाई गई है।

पीएम मोदी ने 17 सितंबर यानी अपने जन्मदिन पर दिल्ली के द्वारका स्थित इंडिया इंटरनेशनल कन्वेंशन एंड एक्सपो सेंटर (आईआईसीसी) - यशोभूमि का उद्घाटन किया था।

इन सेक्टर से जुड़े होंगे इवेंट

एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी के मुताबिक इन आयोजनों का फोकस डिजिटल नवाचार, आतिथ्य, मनोरंजन, स्वास्थ्य सेवा, ऑटोमोबाइल, बुनियादी ढांचा, यात्रा और पर्यटन और स्मार्ट विनिर्माण होंगे।

MICE इंडस्ट्री में होगी दोगुनी बढ़ोतरी

उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (DPIIT) के सचिव राजेश कुमार सिंह ने कहा कि यह कन्वेंशन सेंटर भारत को बढ़ते MICE (बैठकें, प्रोत्साहन, सम्मेलन और प्रदर्शनियां) उद्योग को दोगुना करने में मदद करेगा। 25 लाख करोड़ रुपये के MICE सेक्टर में भारत की हिस्सेदारी 1 फीसदी से भी कम है।

कम कार्यक्रम आयोजित होने के कारण भारत का स्थान 28वां

देश में कम संख्या में कार्यक्रम आयोजित होने के कारण 2019 इंटरनेशनल कांग्रेस एंड कन्वेंशन एसोसिएशन (ICCA) की सूची में भारत 158 बैठकों के साथ 28वें स्थान पर है। दिल्ली की बात करें तो वो 475 शहरों की सूची में 75वें स्थान पर है।

221 एकड़ से भी अधिक क्षेत्र में फैला है यशोभूमि

यशोभूमि की पूरी परियोजना 25,703 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत पर द्वारका सेक्टर 25 में 221.37 एकड़ क्षेत्र में बनाई गई है। परियोजना का कुल क्षेत्रफल भारत मंडपम के 123 एकड़ से भी अधिक है।

वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के अनुसार, उम्मीद है कि सरकार, नई दिल्ली को प्रदर्शनी बाजार के क्षेत्र में शंघाई, हांगकांग और सिंगापुर की लिस्ट में शामिल करना चाहती है।

एशिया में चीन पहले स्थान पर

एशिया की बात करें तो, चीन में प्रदर्शनी सुविधाओं के लिए कुल उपलब्ध स्थान का 68 प्रतिशत (4.1 मिलियन वर्ग मीटर) से अधिक हिस्सा है, जबकि भारत के पास केवल 0.3 मिलियन वर्ग मीटर है, जो एशिया का 4.9 प्रतिशत हिस्सा है।

2024 की पिच पर, मोदी की महिला आरक्षण गुगली

परिवहन विशेष। एसडी सेठी।

नए संसद भवन में शिफ्ट होते ही पीएम नरेंद्र मोदी ने महिलाओ को- 33% फीसदी आरक्षण देने संबधी 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम बिल पेश कर 2024 की पिच पर गुगली के वार से विपक्ष को धाराशाही कर दिया। इस बिल को मोदी सरकार ने 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम विधेयक का नाम दिया है। केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने इस बिल को लोकसभा में पेश किया।संविधान के (128वां संशोधन) विधेयक,2023 में तीन नए अनुच्छेद और नए खंड को शामिल किया गया है। नए अनुच्छेद-330-ए - लोकसभा में एससी-एसटी के लिए आरक्षित सीटों में से 1/3 महिलाओ के लिए आरक्षित होगी। वहीं लोकसभा में सीधे चुनाव द्वारा भरी जाने वाली कुल सीटों में से 1/3 सीटे महिलाओ के लिए आरक्षित होंगी। ए- में एससीएसटीको अलग से आरक्षण नहीं मिलेगा। एससी एसटी महिला के लिए आरक्षण की व्यवस्था आरक्षण के भीतर ही दी गई है। सीधे तौर पर कहें तो सब मिलाकर 33% आरक्षण दिया जाएगा। लोकसभा में 84 सींटे एससी और 47 सीटें एसटी के लिए है।इस बिल के कानून बनने के बाद एससी के रिजर्व 84 सीटों में 28 महिलाओ के आरक्षित होगी।

वहीं 47 एसटी सीटों में 16 सीटें महिलाओ को देनी होगी। बी- इस बिल के कानून बनने के बाद लोकसभा में महिला सदस्यों के लिए 181 सीटें महिलाओ के लिए रिजर्व हो जाएगी। अभी फिलहाल सदन में महिलाओ की संख्या 82 है। 2-239एए:- दिल्ली विधानसभा में महिलाओ के लिए सीटें आरक्षित की जाएगी। अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित सीटों में से 1/3 प्रत्यक्ष चुनाव द्वारा भरी जाएगी। बाकि सीटें संसद द्वारा निर्धारित कानून के माध्यम से महिलाओ के लिए आरक्षित होंगीं। दिल्ली विधान सभा की 70 में से 23 सींटे महिलाओ के लिए रहेंगी। नया अनुच्छेद-332ए: प्रत्येक राज्य विधानसभा में महिलाओ के लिए आरक्षित सीटें एससी,एसटी के लिए

आरक्षित सीटों में से 1/3 एससी,एसटी महिलाओ के लिए आरक्षित होगी। वहीं सीधे चुनाव द्वारा भरी जाने वाली कुल सीटों मे से 1/3 सीटें महिलाओ के लिए आरक्षित होगीं। नया अनुच्छेद- 334 ए: पहली जनगणना के प्रासंगिक आंकडे प्रकाशित होने के बाद ये आरक्षण लागू होगा। परिसमन की प्रत्येक प्रक्रिया के बाद महिलाओ के लिए सीटों का चक्रण प्रभावी होगा। उल्लेखनीय है कि 2026 के बाद देश में लोकसभा सीटों का परिसीमन होना है। इस परिसीमन के बाद ही महिला आरक्षण लागू होगा। इस हिसाब से 2024 के लोकसभा चुनाव के वक्त ये कानून नहीं होगा।

श्री राष्ट्रीय चामुण्डा सेना द्वारा हाईपा हीरो मेजर दलपत सिंह का शौर्य दिवस मनाया

अनूप कुमार शर्मा, भीलवाड़ा। श्री राष्ट्रीय चामुण्डा सेना भीलवाड़ा द्वारा मेजर दलपत सिंह शौर्य 105 दिवस के रूप में चामुण्डा माता परिसर में मनाया गया जिसमें मुख्य अतिथि रावणा राजपूत के आईकॉन मंजीतपाल सिंह सांवराद व श्री राष्ट्रीय चामुण्डा सेना प्रदेश अध्यक्ष उम्मेद सिंह सोलंकी, प्रदेश उपाध्यक्ष जगपाल सिंह जोधपुर, पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष नारायण सिंह कैन्वेरा थे, जिसमें सभी व गणमान्य माला, केसरी अंगवस्त्र से सम्मानित किया गया सामाजिक चर्चा आगामी आयोजन 23 सितंबर 2023 में रावणा राजपूत महाकुंभ जोधपुर, का पोस्टर मोचन किया गया।जिसमे संगठन प्रमुख भैरसिंह राजावत, जिलाध्यक्ष बालकिशन सिंह चौहान, गोपाल सिंह कोठाज सरपंच, जुगल किशोर सांखला, कमलेश सिंह गुढ़ा, समुद्र सिंह सोलंकी, मदन सिंह टांक, राम सिंह बामनिया, जगदीश सिंह पालडी, महेंद्र सिंह, हमीरगढ़ अजय सिंह चौहान, शिव सिंह राठौड़, ललित सिंह हाडा, गोपाल सिंह, हनुमान सिंह, राजू सिंह पालसा, शिवराज सिंह कोटडी, मास्क बंना अनेको समाज बंधु कार्यकर्ता इस दिन भर बारिश के मौसम में भी गर्म जोशी के साथ उपस्थिति दी।

लखीमपुर खीरी में उत्साह, उल्लास से मना कन्या जन्मोत्सव, लिया बेटियों को बचाने, पढ़ाने का संकल्प।

"बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ योजना" के माध्यम से भ्रूण हत्या व बाल लिंग अनुपात में सुधार को लेकर सोमवार को जिला महिला अस्पताल पर कन्या जन्मोत्सव का भव्य आयोजन हुआ, जिसमें नवजन्मी बालिकाओं के अभिभावको को बेबी किट मिष्ठान, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ कैलेंडर, बधाई पत्र आदि प्रदान किए। प्रशासन की इस पहल पर कन्याओं के जन्म लेने पर परिजनों में खुशियां और उत्साह देखने को मिला। डीपीओ संजय कुमार निगम ने कहा कि बेटियां लक्ष्मी, सरस्वती एवं दुर्गा मां का स्वरूप होती हैं। उनके होने भर से घर की शोभा बढ़ जाती है। बेटियों के जन्म पर बेटों के जन्म जैसा ही उत्सव मनाना चाहिए। रूढ़िवादी सोच को पीछे छोड़ बेटियों को हर क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए। सीएमएस डॉ ज्योति मल्होत्रा ने कहा कि बेटियां बेटों से किसी भी मामले में कम नहीं होती है। हर माता-पिता को अपनी बेटियों को पढ़ने का अवसर जरूर देना चाहिए। जिस गति से शिशु लिंगानुपात घट रहा है। उससे आने वाले दिनों में कई तरह की सामाजिक समस्याएं आएंगी। बेटों की तुलना में बेटी माता-पिता का ज्यादा ख्याल रखती है। महिला कल्याण अधिकारी आर्यमित्रा बिष्ट ने कहा कि हमें बेटी के जन्म पर भी खुशी मनानी चाहिए। देश, समाज के विकास के लिए बेटी की परवरिश पर बराबर ध्यान दिया जाएं। जिला समन्वयक निक्की गुप्ता ने कहा कि बेटियों की शिक्षा के प्रति लोग जागरूक बनें और उन्हें आगे बढ़ने का मौका दें। आज बेटियां हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रही हैं। इस दौरान प्रचार-प्रसार पंपलेट आदि वितरित किए। इस मौके पर हॉस्पिटल मैनेजर शिप्रा, हेल्प डेस्क मैनेजर सुष्मिता वर्मा सहित चिकित्सालय का स्टाफ एवं नव जन्मी कन्याओं के अभिभावक बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

135 ग्राम हेरोइन और इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस, 01 पिस्तौल 32 बोर, 01 रिवाल्वर 32 बोर सहित 12 राउंड, 04 मोबाइल फोन, 01 एक्टिव और 01 मोटरसाइकिल जब्त की गई

अमृतसर (साहिल बेरी)। केस नंबर २२१ दिनांक 18-09-२०२३ अपराध २१-बी/२५/६१/८५ एनडीपीएस एक्ट, पुलिस स्टेशन मकबूलपुरा, अमृतसर। गिरफ्तार अभियुक्त:- 1. हरप्रीत सिंह उर्फ साहिब पुत्र बलविन्दर सिंह निवासी बाबा जीवन सिंह आबादी ठाठी मोहल्ला, खंडवाला, अमृतसर। २. हरमनप्रीत सिंह उर्फ हरमन पुत्र मंजीत सिंह निवासी नियर अमरदास सीमेंट स्टोर, खंडवाला, छेहरटा, अमृतसर। ३. जसनदीप सिंह उर्फ अभि पुत्र जसपाल सिंह निवासी बाबा जीवन सिंह आबादी ठाठी मोहल्ला, खंडवाला, छेहरटा अमृतसर। 4. आकाशदीप सिंह पुत्र सतनाम सिंह निवासी बाबा जीवन सिंह आबादी ठाठी मोहल्ला, खंडवाला, छेहरटा, अमृतसर। बरामदगी:- 135 ग्राम हेरोइन और 01 इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस, 01 पिस्तौल ३२ बोर मय मैगजीन और 05 जिंदा कारतूस, 01 रिवाल्वर ३२ बोर जिसमें 07 जिंदा कारतूस, 04 मोबाइल फोन, 01 सक्रिय, 01 मोटरसाइकिल पल्सर। माननीय पुलिस आयुक्त, अमृतसर श्री नौनिहाल सिंह, आईपीएस, जासूस, अमृतसर और श्री अभिमन्यु राणा के निर्देश पर शहर में नशे के सौदागरों और बुरे तत्वों के खिलाफ शुरू किए गए विशेष अभियान के तहत सुश्री वत्सला गुप्ता, आईपीएस, डीसीपी, आईपीएस, एसीपीसी सिटी -३, अमृतसर श्री गुरिंदरबीर सिंह सिद्धू, पीपीएस, एसीपी ईस्ट, अमृतसर के निर्देशों पर।

गणपति प्रतिमा वितरण के साथ ही 10 दिवसीय गणेश महोत्सव शुरू

गणेश उत्सव समिति ने छोटी व बड़ी 450 गणपति प्रतिमाएं 6 जिलों में वितरीत की

अनूप कुमार शर्मा

भीलवाड़ा। श्री गणेश उत्सव प्रबंध एवं सेवा समिति के तत्वाधान गणपति प्रतिमा वितरण समारोह का मुख्य समारोह आरसी व्यास कॉलोनी स्थित अपनाघर वृद्धा आश्रम में आयोजित किया गया, जहां पर छोटी व बड़ी 450 गणपति प्रतिमाओं का आज प्रातःवितरण किया गया गणेश चतुर्थी के शुभ अवसर पर गांव-गांव ढाणी ढाणी 6 जिलों सहित मध्य प्रदेश के कदवासा तक प्रतिमाएं वितरित कर स्थापित की गई ,सुदूर क्षेत्रों की प्रतिमाएं 18 सितंबर को ही वितरित की गई भीलवाड़ा नगर परिषद क्षेत्र में 45 गणेश प्रतिमाओं का वितरण किया गया शहर में कई स्थानों पर विशाल पंडाल लगाकर गणपति प्रतिमा मुहूर्त के हिसाब से स्थापित की गई भीलवाड़ा शहर से बाहर जिले में 60 स्थानो पर गणपति की प्रतिमाएं वितरण की गई जिसमें शाहपुरा ,मांडलगढ़ ,बनेड़ा, गणेशपुर मंगरोप, रायला, सरदार नगर, मंगरोप बिजोलिया, जालिधरी, तखतपुरा,हमीरगढ़, झोपड़ियां ,बदनोर, कृष्णावतो की खेडी, एकलिंगपुरा, कोटडी, नंद राय बीगोद ,बामनिया,आकड़ सादा, बदनोर ,गणेशपुरा, पडेर,जहाजपुर ,खाती खेड़ा ,रामपुर ,देवरिया धूल खेड़ा ,घोडास, फुलिया कला सहित मध्य प्रदेश के कदवासा के जगदीश नविक मंडल तक गणपति की मूर्तियां विधि विधान पूर्वक वितरण की गई प्रतिमा वितरण के साथ ही 10 दिवसीय गणेश महोत्सव कि तुम शुरू हो गई है समिति मीडिया प्रभारी महावीर समदानी ने बताया कि गणपति प्रतिमाओं का वितरण समारोह के पूर्व विधि विधान पूर्वक, पूजा अर्चना कर मंत्रोचार के बीच महा आरती की गई दूधाधारी मंदिर के पंडित कल्याण शर्मा के नेतृत्व में भगवान गणेश को स्थापना के पूर्व सभी प्रतिमाओं को एक साथ विराजित कराकर महा आरती के की गई महाआरती मे प्रमुख उद्योगपति बनवारी लाल मुरारका, राधा कृष्ण सोमानी ,फतेह लाल जेथलिया, राम अवतार नैनसुखा,ओमप्रकाश हिगड,गणपत जागेटिया, सुशील, अरुण जागेटिया कन्हैयालाल लाटी, अतिथि के रूप में उपस्थित थे मूर्ति वितरण के समय समिति अध्यक्ष उदयलाल समदानी ओमप्रकाश बुलिया, सुभाष अग्रवाल, जय कृष्ण मित्तल ,दया शंकर शुक्ला ,शिवनारायण डीडवानिया, ईन्दू बंसल, प्रशांत समदानी रामनारायण सोमानी आदि उपस्थित थे

निगम बना रहा इको फ्रेंडली गोमय गणेश प्रतिमाएं

– पूजा के बाद विसर्जन से न बढेग़ा कचरा और न बढेग़ा प्रदूषण

सहारनपुर। गणेश चतुर्थी पर गणेश पूजा के लिए नगर निगम गाय के गोबर से इको फ्रेंडली गणेश प्रतिमाएं बना रहा है। पूजा के बाद इन प्रतिमाओं के विसर्जन से न तो किसी तरह के प्रदूषण का डर रहता है और न ही नदियों-तालाबों में कचरा बढ़ने की समस्या होती है। प्रतिमा बेचने वाले अनेक दुकानदारों ने इको फ्रेंडली इन गणेश प्रतिमाओं के प्रति गहरी रुचि दिखायी है। नगर निगम सहारनपुर द्वारा सांवलपुर नवादा में संचालित माँ शाकंभरी कान्हा उपवन गौशाला इन दिनों गणेशमय हो गयी है। गौशाला में गाय के गोबर से गणेश जी की प्रतिमाएं बनाई जा रही है। इन प्रतिमाओं को निगम कर्मचारी विभिन्न रंगों से आकर्षक आकार देकर बिक्री के लिए तैयार कर रहे हैं। गौशाला प्रभारी एवं निगम के पशु चिकित्सा एवं कल्याण अधिकारी डॉ.संदीप मिश्रा ने बताया कि गोमय निर्मित गणेश जी की मूर्तियों का पूजन के बाद विसर्जन किए जाने से प्रदूषण का कोई खतरा नहीं है। नदियों-तालाबों में विसर्जन के अलावा लोग पूजन उपरान्त घरों में पानी से भरे पात्रों में मूर्तियों को विसर्जित कर बाद में उस पानी को अपने गमलों में प्रयोग कर सकते हैं। डॉ. मिश्रा ने बताया कि अनेक दुकानदारों ने इको फ्रेंडली गोमय गणेश प्रतिमाओं की डिमांड की है। गौशाला को आत्म निर्भर बनाने के प्रयास में नगर निगम गाय के गोबर से विभिन्न उत्पाद बनाता रहा है। रक्षा बंधन के अवसर पर भी नगर निगम द्वारा कान्हा उपवन गौशाला में गोमय निर्मित राखियां तथा दीपावली के अवसर पर गोमय दिए बनाये गए थे। इसके अलावा गौमूत्र से गोनाइल (फिनाइल) व गौ अर्क तथा गोबर से दीपक, वर्मी कम्पोस्ट, धूपबत्ती, ओइम, स्वास्तिक, विभिन्न कलाकृतियां और गोबर गैस से ऊर्जा का उत्पादन किया जा रहा है।

1968 के शहीद हुए हेल्थ वर्कर्स की याद में सम्मेलन

परिवहन विशेष। एसडी सेठी। नेशनल पब्लिक हेल्थ एलाईंस के दिल्ली राज्य सेक्टर के तत्वावधान में 19 सितंबर 1968 के दिन को याद करते हुए विभिन्न सैक्टरों से जुडे हेल्थ वर्कर्स का संयुक्त सम्मेलन दिल्ली के कलावती सरन चिल्ड्रेन अस्पताल सभागार में आयोजित किया गया। अध्यक्ष विजय कुमार ने बताया कि इस अवसर पर जुटे सरकारी कर्मचारियों की यूनियनों ने शिरकत की। इसमें दिल्ली व केन्द्र सरकार के अस्पतालों की लगभग 15 यूनियनों ने शहीद हुए कर्मचारियों को अपनी श्रध्दांजलि दी। साथ ही 8वें वेतन आयोग के गठन करने, सरकारी अस्पतालों /संस्थानों का निजीकरण और निगमीकरण तथा कांट्रैक्ट पर बडी संख्या में भर्ती कर्मचारियों को पक्काकरने,व चार लेबर कोड खत्म करने और (ओपीएस) लागू करने सहित 10 सूत्रीय मांग पत्र को लागू करने और कर्मचारियों के संघर्ष व बलिदान को याद किया गया। यूनियन अध्यक्ष विजय कुमार ने बताया कि उस संघर्ष और बलिदान से सीख लेकर जेपीए/एनपीएचए हर साल इस दिवस को मनाता आ रहा है। इस श्रध्दांजलि सम्मेलन में जुटी यूनियनों में जेपीए के कार्यकारी अध्यक्ष

एस एस नेगी,एआईयूटीयूसी डिप्टी स्टेट प्रेसीडेंट हरीश त्यागी, एनपीएचए के जनरल सेकेट्री भारतवीर ,कलावती अस्पताल से चंद्रपाल,बिशंभर दयाल,एलएचएमसी के अमर रावत,रेलवे यूनियन, एमसीडी,से एएनएम/एलएचवी बालेश्वर,कांट्रैक्टच्वल हैल्थ एंप्लॉयज यूनियन से आसिम डिपार्टमेंटल कैंटीन,से बचे सिंह,अरूणाचल आसफअली अस्पताल से कैलाश व यशविंदर लोचब,आदि नेताओ ने पारित प्रस्ताव पर अपनी मोहर लगाई। वहीं अक्टूबर,नवंबर, दिसंबर में भी कर्मचारी यूनियन सम्मेलन करने पर सहमति हुई।

महिलाओं का महान पर्व हरितालिका तीज बी.एस. दीपक पैलेस बटाला रोड अमृतसर में कीर्ति बराल की अध्यक्षता में कार्यक्रम आयोजित किया गया

अमृतसर (साहिल बेरी)–अखिल भारत नेपाली एकता मंच पंजाब, जम्मू कश्मीर यूनाइटेड राज एक्ट अमृतसर जिला कमेटी द्वारा आयोजित कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ईश थे. केंद्रीय समिति सह कोषाध्यक्ष और पंजाब महिला प्रभारी श्रमती कमला घिमिरे, केंद्रीय सदस्य अमृतसर जिला समिति प्रभारी श्री राजू पौडेल, केंद्रीय सदस्य श्री उमेश परियार, राज्य समिति से बिनोद बराल, बेल बहादुर अधिकारी, किशन केसी, धुर्व प्रसाद काफले, आईटी (लकी) सोनू कुवंर, गौकर्ण अर्घाली की विशेष उपस्थिति में अनुशासनात्मक तरीके से बड़े धूमधाम से मनाया गया।

क्रोध का अभाव होना ही उत्तम क्षमा धर्म- पं. विवेक शास्त्री

सुपार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर हाउसिंग बोर्ड में पयुर्षण पर्व का प्रथम दिन

अनूप कुमार शर्मा, भीलवाड़ा। सुपार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर हाऊसिंग बोर्ड शास्त्रीनगर में पर्यूषण के पहले दिन उत्तम क्षमा धर्म पर बताते हुए पं. विवेक शास्त्री ने बताया कि क्रोध का अभाव होना ही उत्तम क्षमा धर्म है। क्रोध के निमित्त उपस्थित होने पर भी जो क्रोध नहीं करता उसके क्षमा धर्म प्रकट होता है। क्रोध का जवाब क्रोध से देने से स्वयं का ही अहित होता है, इसलिये क्षमा वीरस्य भूषणम्कहा जाता है जहां पर क्रोध है वहाँ शत्रु पैदा होते हैं क्षमा है वहां मित्र पैदा हो जाते हैं, अतः क्रोध नहीं करना चाहिये। ''उत्तम क्षमा जहाँ मन होई, अंतर बाहर शत्रु ना कोई'' जनसंपर्क मंत्री भागचंद पाटनी ने बताया कि प्रातः समाज द्वारा जुलुस के साथ घट यात्रा निकाली गयी। गुलाबचन्द, मनीष, नीरज शाह परिवार को ध्वजारोहण, मुख्य कलश स्थापना का लाभ राकेश, शशि, हिमांशु, आकांक्षा पाटनी, सौधर्म इन्द्र का लाभ विनोद कुमार, मंजू गोधा एवं मण्डप उद्घाटन का सौभाग्य श्रीमती सुशीला पाटनी, अखण्ड दीप स्थापना टीकमचन्द शकुन्तला छाबड़ा परिवार, मुख्य शांति का सौभाग्य प्रकाश चन्द्र कैलाश चन्द्र गंगवाल परिवार को प्राप्त हुआ। पूजा का संचालन पं. पदमचन्द काला ने किया। मध्यान्ह में पं. विवेक शास्त्री के सानिध्य में तत्वार्थ सूत्र का वाचन, सामायिक, प्रतिक्रमण शास्त्र स्वाध्याय किया गया। सांयकाल की जिनेन्द्र-भगवान की सामुहिक मंगल आरती हुई। सांय सांस्कृतिक कार्यक्रम की श्रृंखला में धार्मिक अन्ताक्षरी प्रतियोगिता महिला समाज द्वारा आयोजित हुई।

बालाघाट के घटिया नेताओं की घटिया राजनीति के चलते बालाघाट का नहीं हुआ विकास

जिला मध्यप्रदेश छत्तीसगढ़ विभाजन के समय नेताओं की कूटनीति के चलते बालाघाट जिला मध्यप्रदेश में ही रह गया इसलिए आज इस क्षेत्र का विकास आज तक नहीं हुआ जबकि हमारे ज़िले में वन संपदा से लेकर खनिज सभी खजाना बालाघाट जिले में है इसी ख़ज़ाने को चूस चूस कर पीने के कारण परजीवी इसे छत्तीसगढ़ में जाने नहीं दिये सिर्फ अपने स्वार्थ सिद्ध करने के लिए और भाषण में जनहित की बात करेंगें कांश ये जिला छत्तीसगढ़ में होता तो आज बेरोजगारो को रोजगार और सारी समस्या का समाधान होता ये बात हमारे प्रदेश के व देश के मुखिया भली भांति जानते हैं लेकिन शायद उनकी भी आदत बन गई है की ओ कई वर्षों की बदबूदार लंगोटी को पसन्द करते हैं जिसे आज के नौजवान पसंद नहीं करते इन लोगों की वजह से जो मोदी जी को पसंद करते हैं ओ पार्टी में तह दिल से आना चाहते हैं ओ भी आने से कतराते हैं ऐसा ना हो की जो आप कांग्रेस को 70 साल का ताना देते हैं कहीं किसी समय में स्वयं ताना कशी का शिकार ना बन जाओ इसलिए मैं प्रदेश के मुखिया शिवराज व देश के भावी मुखिया मोदी जी से आग्रह करता हूं कि एक बार सिर्फ टी वी आकर कह दे की जो व्यक्ति बी जे पी के आचार विचार से सहमत हैं अगर ओ अपनी स्वेच्छा से आना चाहें तो स्वागत है सिर्फ तीन दिन में देखिए लाखों करोड़ों सदस्य सिर्फ आपके नाम से जुड़ेंगे इसमें ना झिझक ना शर्म हया जैसी कोई बात नहीं इसमे ओ व्यक्ति का पत्ता साफ होगा जिसे लगता है मेरे बगैर कोई काम नहीं होता पार्टी में वैसे भी आप लोगों के जीते जी अभि कोई पैदा नहीं लिया पार्टी को चलाने के लिए यदि हमारे आदिवासी बाहुल्य ब्लाकों में आदिवासी भाईयों को मंडल अध्यक्ष का मौका देते तो पार्टी में कार्यकर्ताओं की कमी नहीं होती उनमें भेद भाव जैसी कोई भावना नहीं होती। दीपक ब्रम्हें शिवसेना जनप्रतिनिधि बैहर।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक संजय कुमार बाटला द्वारा इम्प्रेशंस प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, सी-18,19,20 सेक्टर 59, नोएडा (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 3, प्रियदर्शनी अपार्टमेंट ए-4, पश्चिमी विहार, नई दिल्ली- 110063 से प्रकाशित। सम्पर्क : 9212122095, 98117320959.
(इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी) किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली के न्यायालय के अधीन होंगे। Title Code : DELHIN28985. DCP Licensing Number F.2 (P-2)